



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 46] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 13, 1993 (कार्तिक 22, 1915)

No. 46] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 13, 1993 (KARTIKA 22, 1915)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4

[PART III--SECTION 4]

सांविधिक नित्यायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं]

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय रिजर्व बैंक (केन्द्रीय कार्यालय) कलकत्ता

दिनांक 14 अगस्त, 1993 के भारत के राजपत्र, भाग III खण्ड 4 में प्रकाशित अधिसूचनाओं में की जाने वाली आवश्यक शुद्धियों का विवरण ।

राजपत्र की पृष्ठ सं०	अधिसूचना सं०	प्रकाशन के लिये भेजी गई हमारी अधिसूचना की प्रतिलिपि में बिना गया विवरण	राजपत्र में प्रकाशित विवरण	आवश्यक शुद्धि का स्वल्प
1	2	3	4	5
1. 13993	बी एफ सी (सी प्रो सी) 70-ई सी (एस)-93	समय बनाने के प्रयोजन	समय बनाने के प्रयोजन	बनाने के बदले बनाने बना दिया जाये
2. -वही-	-वही-	एस सी आई सी आई लिमिटेड	एस सी आई सी आई लिमिटेड	पहला आई के बाद सी जोड़ दिया जाये
3. 13995	बी एफ सी (सी प्रो सी) 71-ई सी (एस)-93	निदेशावली 1977 को	निदेशावली 1997 को	1997 को बदलकर 1977 बना दिया जाये ।
4. -वही-	-वही-	उप-वैराग्राह (VIII) में परंतुक	उप-वैराग्राह (VIII)-परंतुक	परंतुक के पहले में जोड़ दिया जाये
5. -वही-	-वही-	तीन महीने किन्तु छः महीने की समाप्ति	तीन महीने किन्तु महीने की समाप्ति	किन्तु के बाद छः जोड़ दिया जाय

भारतीय स्टेट बैंक

केंद्रीय कार्यालय

बम्बई, दिनांक 18 अक्टूबर 1993

एस. बी. डी. क्र. 15/1993—भारतीय स्टेट बैंक (सहयोगी बैंक) अधिनियम 1959 की धारा 63 की उप-धारा (1) के अंतर्गत दिये गये अधिकारों के अनुसार भारतीय स्टेट बैंक ने स्टेट बैंक आफ हैबराबाद पेंशन निधि के नियम 12 में निम्नलिखित संशोधन किया है जो कि भारतीय रिजर्व बैंक एवं सहयोगी बैंक के निदेशक मंडल द्वारा भी अनुमोदित है :—

नियम 12

सभी कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति जो पेंशन निधि के सदस्य हैं, बोर्ड या इसकी कार्यकारिणी समिति या उनका ऐसा प्राधिकारी या अधिकारी, जो महाप्रबंधक की श्रेणी से कम न हो और जिसे बोर्ड या कार्यकारिणी समिति द्वारा इस कार्य के लिए प्राधिकृत किया गया हो, जैसी भी स्थिति हो, की संस्वीकृति के अधीन होगी। कोई भी कर्मचारी जो इस नियम के अनुसार अपेक्षित संस्वीकृति के बिना बैंक की सेवा छोड़ देगा, तो वह इस निधि से पेंशन के लिए अपने सभी दावों से वंचित हो जाएगा।

केंद्रीय निदेशक मंडल के आदेशानुसार
एम. के. सिन्हा
उप-प्रबंध निदेशक
(सहयोगी बैंक)

बम्बई, दिनांक 19 अक्टूबर 1993

एस. बी. डी. क्र. 16/1993—इसके द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भारतीय स्टेट बैंक (समन्वयी बैंक) अधिनियम 1959 की धारा 25 की उप-धारा (1) के अनुच्छेद (ग) के अनुसार भारत सरकार तथा भारतीय रिजर्व बैंक के साथ विचार-विमर्श के बाद भारतीय स्टेट बैंक श्री टी. पी. बेल्लप्पन के स्थान पर डा. एन. डी. जोशी, पुल्लुविलाकाथु विड, टीसी 9/1204, मंगलम लेन, रस्थामंगलम, तिरुवनन्त-पुरम, को स्टेट बैंक आफ त्रिपुणकोर के निदेशक पद पर तीन वर्ष की अवधि दिनांक 25 अक्टूबर 1993 से 24 अक्टूबर 1996 (बोनों दिन सम्मिलित) तक के लिए नामित करता है।

वीरेंकर बसु
अध्यक्ष

हलाहाबाद बैंक

प्रधान कार्यालय

विधि विभाग

कलकत्ता-700001, दिनांक 20 सितम्बर 1993

शुद्धि-पत्र

मं. एच. ओ./लीगल/0814—दिनांक 8 मई, 1993 को भारत के राजपत्र भाग-खंड-4 में प्रकाशित दिनांक 28-12-1992 की अधिसूचना सं. एचओ/लीगल/333/

1137 के हिन्दी पाठ में सूचना (नोटिस) के पैरा 3 के उप-पैरा (2) की प्रथम पंक्ति को इस प्रकार पढ़ा जाना चाहिए था "विनियम 5 के उप-विनियम (2) के परसूक्त में"।

वी. पी. शोष
सहायक महाप्रबंधक (विधि)

भारतीय चार्टर्ड प्राप्ति लेखाकार संस्थान

नई दिल्ली-110002, दिनांक 28 सितम्बर 1993

(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स)

सं० 3-एन० सी० ए० (8)/2/93-94—रेगुलेशन 10 (1) की धारा (4) जिसे चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स के रेगुलेशन 1988 के अधिनियम 10(2) (बी) के साथ पढ़ा जाए, के अनुसार एतद्वारा सूचना दी जाती है कि निम्नलिखित सदस्यों का कार्य करने का प्रमाण-पत्र उनके भागे दी गई तिथियों से रद्द समझे जाएंगे क्योंकि उन्होंने कार्य प्रमाण-पत्र हेतु वार्षिक शुल्क का भुगतान नहीं किया था।

क्रम सं०	सदस्यता सं०	नाम एवं पता	दिनांक
1	2	3	4
1.	71054	श्री ईश्वर जन्म सिधवी, ए० सी० ए०, केयर प्राफ दूगर एण्ड एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड, 13, कम्पुनिटी सेंटर, ईस्ट प्राफ कैलाश, नई दिल्ली-110065।	1-8-87
2.	80938	श्री मधुकर खोसला, एफ० सी० ए०, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स, 153, सेक्टर-9-बी, चण्डीगढ़-160017।	1-4-93
3.	81844	श्री रविश्वर कुमार नायर, ए० सी० ए०, 1-34, रूप नगर, दिल्ली-110007।	1-10-90

ए० के० मजुमदार,
सचिव

परीक्षा विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 28 अक्टूबर 1993

नं. 13-सी. ए. (परीक्षा)/नवम्बर/93—इन्स्टीट्यूट की अधिसूचना संख्या 13-सी. ए. (परीक्षा)/नवम्बर/93 दिनांक 6 अक्टूबर, 1993 के क्रम में आगे सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स इंटरमीडिएट एवं फाइनल परीक्षा के नियोज्य विद्यार्थी जिन का नाम हिमाचल प्रदेश विधान सभा चुनाव के लिये मतदान सूची में दर्ज है उनके मतदान देने का अवसर प्रदान करने हेतु, जो मतदान करने में रुचि रखते हैं उन विद्यार्थियों को 9 नवम्बर, 1993 को होने वाले पंगरों में 11 नवम्बर 1993 को परीक्षा देने का विकल्प प्रदान किया जाता है। इसलिये उन पंगरों की परीक्षाओं जो कि 9 नवम्बर, 1993 को होने वाली

है—कोयल उपयुक्त वर्ग के विद्यार्थियों के लिये 11 नवम्बर, 1993 को कोयल अर्वाचीन भारती भवन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, "सी" ब्लॉक, "डो" ब्लॉक माफिक के सामने दिव्येक विहार, दिल्ली-110095 में होगी। अन्योन्य परीक्षाएँ जोकि 11 नवम्बर, 1993 को होंगी उनके समय एवं पारी में कोई परिवर्तन नहीं होगा।

नियोज्य विद्यार्थी जोकि उपर्युक्त शिक्षण का उपयोग करने की इच्छा रखते हों वे निर्धारित फार्मट में अपना प्रार्थना-पत्र भेज सकते हैं जोकि इन्स्टीट्यूट के कार्यालय नई दिल्ली नौएडा में या जण्डीगढ़, जम्मू, लूथियाना, अम्बाला, यमुनानगर, दिल्ली/नई दिल्ली, गाजियाबाद तथा मरठ परीक्षा केन्द्रों में 5, नवम्बर 1993 तक पहुँचा जाना चाहिए। निर्धारित फार्मट इन्स्टीट्यूट के कार्यालय नई दिल्ली/नौएडा में तथा उपरोक्त परीक्षा के केन्द्रों के सुपरइन्टेण्डेंट के कार्यालयों में भी उपलब्ध हैं।

जगदम्बा प्रसाद
वरिष्ठ उप-सचिव (परीक्षा)

कानपुर-208001, दिनांक 9 अगस्त 1993

सं० 3-सी० सी० ए० (5) (1)/93-94—इस संस्थान की अधि-सूचना सं० 3 सी० सी० ए० (4) (6)/91-92 दिनांक 26-12-91, 3-सी० सी० ए० (4) (7)/90-91, दिनांक 30-11-90, 3-सी० सी० ए० (4) (3)/92-93, दिनांक 11-11-92, 3-सी० सी० ए० (4) (6)/92-93, दिनांक 20-1-93, 3-सी० सी० ए० (4) (9)/92-93, दिनांक 31-3-93, 3-एन० सी० ए० (4) (6)/92-93, दिनांक 11-2-93, 3-डब्ल्यू० सी० ए० (5) (5)/92-93, दिनांक 1-12-93, 3-सी० सी० ए० (4) (5)/87-88 दिनांक 15-1-88, 3-सी० सी० ए० (4) (5)/90-91, दिनांक 5-3-91, 3-डब्ल्यू० सी० ए० (4) (11)/87-88, दिनांक 5-1-88, 3-सी० सी० ए० (4) (7)/82-83, दिनांक 15-3-83, के सन्दर्भ में चार्टर्ड प्राप्त नेखाकार (विनियम 1988 के विनियम 20 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 19 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त नेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में निम्नलिखित सदस्यों का नाम पुनः उनके प्रागेवी गई तिथि से स्थापित कर दिया है:—

क्र० सं०	सदस्यता सं०	नाम एवं पता	दिनांक
1	2	3	4
1.	12318	श्री सुजीत चन्द्र वानडोपाध्याय, ए० सी० ए०, जोनल मैनेजर, जोनल आफिस, सेन्ट्रल बैंक आफ इण्डिया, अपोजिट जुब्बा साहनी मा क्लब रोड, मिथुनपुरा, मुजफ्फर नगर-842002।	1-10-92
2.	12362	श्री पवन कुमार रोंगटा, ए० सी० ए०, इक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, इम्पूलाटोरस लि०, धनू रोड, धनू रोड-307026।	1-10-92

1	2	3	4
3.	12433	श्री कैलाशचन्द्र बी० बम्का, ए० सी० ए०, 60, ब्लाक, बी-1/फस्ट फ्लोर, मधूरा लोक काम्प्लेक्स, पटना-800001।	7-6-93
4.	13167	मि० जय प्रकाश शा, ए० सी० ए०, मेनेजर फाइनेंस, बी० एस० टी० पी० पी०/ एन० टी० पी० सी०, बिन्ध्या नगर, सिन्धी।	14-6-93
5.	14652	श्री कनाईलाल घोरी, ए० सी० ए०, डिप्टी जी० एम० (फाइनेंस), मल यूनिट सेन्ट्रल फाउन्ड्री, कोरग प्लांट, रानीपुर, हरिद्वार-249403।	13-7-93
6.	16221	श्री माधीम कुमार बसु, ए० सी० ए०, एरिया फाइनेंस मैनेजर, एस० पी० माहनेस, जनरल मैनेजर आफिस ई० सी० एन०, पो० चित्रा (वियाजमन्ना), देवगढ़-815351।	1-10-93
7.	16649	श्री गणेश कुमार राना, ए० सी० ए०, जी० के० राना, एण्ड कम्पनी, 91, महारानी गायत्री वेबी मार्केट, जयपुर।	14-6-93
8.	18558	श्री कुम्बिका कुरियाकोस, ए० सी० ए०, 7/77-ए, तिलक नगर, कानपुर-208002।	1-10-92
9.	31370	श्री कुमार खूबचन्द्र जठानी, ए० सी० ए०, 112/351, स्वरूप नगर, कानपुर, कानपुर।	29-4-93
10.	34676	श्री अशोक कुमार महेस्वरी, ए० सी० ए०, 20, जैन बोर्डिंग मार्ग, उदयपुर-313001।	1-10-92
11.	39360	श्री अमिन कुमार शनवार, ए० सी० ए०, ए० जी० शनवार एण्ड कं०, केयर आफ सहेली पनेस होटल, 222/17, सहेली मार्ग, उदयपुर।	1-10-92
12.	41790	श्री राजीव मुरारका, ए० सी० ए०, केयर आफ रोहित टेक्सटाइल, सी० के०-14/18, मन्वंतशाह लैन, प्रजमतगढ़ कोठी, चौक बाणारसी-221001।	1-10-92

1	2	3	4	1	2	3	4
13.	51159	श्री माधवाभा धो० पी० एफ० सी० ए०, इस्पत मेक्सीसाना एस० ए० डो० सी० बी०, एफ० सी० धो० जे० मुनज़िका 1-बी, सी० बी० लाजागो कारबेनेस, एम० आई० सी० एच० सी० पी० 60950 मैक्सिको, मैक्सिको।	1-10-92			पी० टी० सुलीना कीन, जे० एल० अरिफिन कम्पलेक्स, केटापंग इण्डेड ब्लाक बी 1, नं० 23, जकार्ता, इण्डोनेशिया -11140	
14.	52210	श्री धनोक्त कुमार, ए० सी० ए० श्री निकेतन, भट्टा बाजार, पुरनिया-854301।	31-3-93	22.	71725	श्री जार्ज नैनात प्रबाहम, एफ० सी० ए०, प्रबाहम एण्ड कुकबिला, 113/174, स्वरूप नगर, कानपुर-2।	1-10-92
15.	52513	श्री प्रकाश चन्द्र मोहता, ए० सी० ए० प्रेम भवन, रामी बाजार, नियर बाबा रामदेव टेस्ट हाऊस, बीकानेर-334001।	3-5-93	23.	71785	श्री अनिल वसन्त महोला, एफ० सी० ए०, 75, श्रीनाथ एपार्टमेंट्स, फस्ट फ्लोर नियर भानुव बाजार, साजतावा रोड, श्रीनगर, इन्दौर।	1-10-92
16.	53735	श्री अनिल कुमार प्रमवाल, ए० सी० ए०, 12-5-93 ए/33, पोपुलर कोमपरेटिव महेन्द्रा सदन, कम्कार मार्ग, पटना-800020।	12-5-93	24.	71813	श्री भानुव कुमार बेरीवाल, एफ० सी० ए०, भानुव बेरीवाल एण्ड कम्पनी, 435, समता कालोनी, रायपुर।	1-10-92
17.	70373	श्री ललित बिहारी सिंघल, ए० सी० ए० 49/83 मयामंज कानपुर-208001		25.	72157	श्री धरूण भण्डारी, ए० सी० ए०, 437-बी, भण्डारी भवन, बड्डी सरदारपुरा, जोधपुर-342001।	23-6-93
18.	70506	श्री राजेश मोहन जैन, ए० सी० ए० 5, मागीर सदन, जयम पथ, गनी पार्क, जयपुर-302016।	15-6-93	26.	72165	श्री राजेश पुरोहित, एफ० सी० ए० केयर प्राफ रतन सदन, श्रीपाली रोड, जोधपुर-342001।	1-10-92
19.	70871	श्री समिध मुखोपाध्याय, ए० सी० ए०, सी० मैनेजर (फाइनेंस), डी-2/13, टैल्को कालोनी, जयपुर-831004।	1-10-92	27.	72282	श्री सुधीर कुमार जैन, एफ० सी० ए०, डी-195, जयवीरा मार्ग, भगार भवन, बनी पार्क, जयपुर-302016।	1-10-92
20.	71476	श्री पद्म चन्द जैन, एफ० सी० ए० फस्ट फ्लोर सोमानी बिल्डिंग, मोहा मण्डी, एस० सी० सिंक रोड, जयपुर।	1-10-92	28.	72727	श्री धनोक्त कुमार प्रमवाल, ए० सी० ए०, 1-10-92 धनोक्त कुमार सराफ एण्ड कं०, 108, गोयल हाउस, धर्मशाला बाजार, गोरखपुर-273001।	1-10-92
21.	71674	श्री खेवर कुमार प्रमवाल, ए० सी० ए०, इन्डो-क्यूटिव फाइनेंस, एडवाइजर, इन्दौर-452001।	1-10-92	29.	72736	श्री किशन कुमार बिलनानी, एफ० सी० ए०, बिलनानी एण्ड एसोसिएट्स, ए-6, सरदार पटेल मार्ग, जयपुर।	1-10-92
				30.	72771	श्री जयप्रकाश भरोडा, ए० सी० ए० 285, तिलक नगर, इन्दौर-452001।	1-10-92

1	2	3	4
31.	72799	श्री मोहम्मद इमरान, ए० सी० ए० एम०-2/2, ग्रामर कम्प्लेक्स, जोम सेक्ण्ड एम० पी० नगर, भोपाल।	1-10-92
32.	72803	श्री राकेश कुमार गुप्ता, ए० सी० ए० ए-31, कीर्ति नगर, टोंक रोड,	1-10-92
33.	72813	श्री अतुल प्रताप सिंह, ए० सी० ए०, 142-बी सेक्टर सी, महानगर, लखनऊ।	6-4-93
34.	73106	श्री अशोक कुमार गोयल, ए० सी० ए०, गोयल अशोक एण्ड कम्पनी, सेक्ण्ड फ्लोर, ब्लू हाऊस रोड, बाबू नगर, जयपुर-302003।	1-10-92
35.	73180	श्रीमती शशि गुप्ता, ए० सी० ए०, 107, प्रार० एन० टेगोर मार्ग, इन्दौर।	1-10-92
36.	73351	श्री संजय कुमार भित्तल, ए० सी० ए०, ज्ञान कुंज संसार चन्द्र रोड, जयपुर-302001।	22-6-93
37.	73375	श्री राजेश्वर प्रसाद गुप्ता, ए० सी० ए०, सी-46, जे० पी० कालोनी, टोंक रोड, जयपुर।	1-10-92
38.	73429	श्री मुकेश कुमार जैन, ए० सी० ए०, बी-34, शक्ति नगर, (कमल एण्ड कम्पनी), टोंक रोड, जयपुर-302018।	1-10-92
39.	73494	श्री अमित कुमार, ए० सी० ए०, एफ3, भनिता कालोनी, दवाज नगर, जयपुर-302015।	30-4-93
40.	73497	श्री विपिन कुमार अग्रवाल, ए० सी० ए०, केयर प्राफ : विपिन पांडेय एण्ड कम्पनी, एबब गोयल क्लाय हस्पोरियम, इन क्रांत प्राफ कनारा बैंक, अंसारी रोड, बुलन्दाहर।	1-10-92
41.	73647	श्री विलोप कुमार जैन, ए० सी० ए०, डी-18, धार्वर्ध बस्ती नियर बी० एल० हाऊस, टोंक पाठक, जयपुर।	1-10-92

1	2	3	4
42.	73691	श्री भारत पिस्ती, ए० सी० ए०, 60, सरदारपुरा, सेक्ण्ड ए० रोड, जोधपुर-342003।	1-10-92
43.	74058	श्री संदीप मानिक, ए० सी० ए०, 44, कार्ति नगर, नियर पोलोक्विटी, जयपुर-302006।	1-4-93
44.	74128	श्री संजय सिन्धी, ए० सी० ए०, 2-सी, 55, प्रताप नगर, जोधपुर-342004।	4-6-93
45.	74222	श्री अमित जैन, ए० सी० ए०, केयर प्राफ रमेश सी० अग्रवाल, एण्ड क०, 92, पाटियागंज, साल कोठी, लखनऊ।	10-5-93
46.	74244	श्री सत्य नारायण बंसल, ए० सी० ए०, आई० डी० बी० आई, आई० डी० बी० आई० टावर, कफ रोड, यम्बई-400005।	1-10-92
47.	74512	श्री पद्मनाभन मनी, ए० सी० ए०, असित, मैनेजर, टिस्को, जमशेदपुर।	1-10-92
48.	74730	श्रीमती सोमा मंगल, ए० सी० ए०, 8/5, आई० एन० रोड, इन्दौर।	1-6-93
49.	74758	श्री सुरेश कुमार सनेचा, ए० सी० ए०, एस० सनेचा एण्ड कम्पनी, 1017, फस्ट डी० रोड, सरदारपुरा, जोधपुर।	1-10-92
50.	82820	श्री परसोत्तम लाल सलूजा, एफ० सी० ए०, परसोत्तम लाल सलूजा एण्ड एसोसिएट्स, 26, पटेल मार्केट, श्री गंगा नगर-335001।	1-10-92
51.	83611	श्री अनिल कुमार जैन, ए० सी० ए० फ्लैट न० 33, सावर एपार्टमेंट, मयूर बिहार, पास-1, बिल्डी-110091।	1-10-92

1	2	3	4
52.	83775	श्री संजय जैन, ए० सी० ए०, 23-सी, बोरनहिल रोड, इलाहाबाद।	1-10-92
53.	83897	श्री सतीश कुमार, एफ० सी० ए०, केयर आफ एस० गुलाटी एण्ड एसोसिएट्स, 168, कृष्णा नगर, भरतपुर।	11-8-93
54.	84257	श्री प्रदीप राय, ए० सी० ए०, डी० एम० (फार्मिस), गैस प्रचारिटी आफ इण्डिया, लि०, बिबियापुर, इटावा-206244।	19-3-93
55.	85903	श्री परवेज अहमद रिजवी, एफ० सी० ए०, परवेज एण्ड एसोसिएट्स, 288, चौहट्टा, साफिर रोड, मेरठ।	1-10-92
56.	86745	श्री महेश प्रमवाल, ए० सी० ए०, श्री सयन, ज्वाली भवन कालोनी, स्टेशन रोड, मलहर-301001।	1-10-92
57.	88025	श्री महेश अम्बर प्रमवाल, ए० सी० ए०, 84-डी, कृष्णा नगर, मथुरा।	1-10-92
58.	88578	श्री मिलन श्रीमाली, ए० सी० ए०, केयर आफ श्री एस० सी० शर्मा, 49, नेहरू नगर, रूड़की-247667।	1-10-92
59.	90365	श्री वीपक रस्तोगी, ए० सी० ए०, रेमण्ड सिन्थेटिक्स लिमिटेड, कैलाश नगर, करजा, इलाहाबाद-212301।	1-10-92

ए० के० मजूमदार,
सचिव

मन्त्रालय-600034, दिनांक 7 सितम्बर 1993

(चार्टर्ड एकाउंटेंट्स)

सं० 3-एस० सी० ए० (4)/2/93-94—चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1988 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार अधिनियम 1949 की धारा 20 उप-धारा (1) (क) द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड

प्राप्त लेखाकार संस्थान परिवर्तन करने संबंधित रजिस्टर में से मूल्य हो जाने के कारण निम्नलिखित सदस्यों का नाम उनके प्राप्ति की गई तिथियों से हटा दिया है।

क्र० सं०	सदस्यता सं०	नाम एवं पता	दिनांक
1	2	3	4
1.	3425	श्री विपिननाथन, बी०, 29, रामाकृष्णा पुरम, 3 स्ट्रीट, मद्रास-600033।	17-5-93
2.	5341	श्री बरधाराय प्रभ, जी०, चीफ पोस्ट मास्टर जनरल, प्राधा सर्कल, हैदराबाद 500001।	18-10-92
3.	6190	श्री सुब्रह्मनियम टी० बी०, 14/681-ए हरीनगर, डा० गोरी अम्मा मेन, पुंजुन्नम, त्रिचूर-680002।	6-4-93
4.	6633	श्री सुरेन्द्रा शास्त्री एम०, 3-4-1011, बरकतपुरा, हैदराबाद-500027।	25-3-93
5.	7985	श्री श्रीनिवासा टी० प्रार०, श्रेयास, 636 मेन रोड, टाटा सिल्क फार्म, बंगलौर-560004।	19-5-93
6.	8130	श्री गणेशन एस०, नं० 1, 23 ईस्ट स्ट्रीट, कामराज नगर, थिरुवनमियूर, मद्रास-600041।	18-11-91
7.	8820	श्री कृष्णास्वामी पी०, 25-ए, सेकण्ड मेन रोड, पोस्टल कालोनी, वेस्ट मम्बालम, मद्रास-600033।	4-5-93
8.	16768	श्री मैथ्यू थोमस, 5 पूर्ण प्रसाद ब्लॉक, आफ : रेस कोर्स रोड, बंगलौर-560001।	26-6-93
9.	19370	श्री मुनीकृष्णा राज पी०, 181, 611 गांधी नगर, तिरुपथी	8-5-93
10.	28164	श्री रविवेन्द्रा मैदा जी० एस०, सबाजवा संदीप नगर, अम्बालापाडी, उदुपी-576103।	5-1-93

1	2	3	4
11.	81228	श्री कृष्णस्वामी राव एन० एस्० 1628, (फ्लोड नं० 1221 8 मेन रोड, 2 ब्लॉक, जयानगर, बंगलूर-560011।	1-5-93
12.	200327	श्री कृष्णमूर्थी एस्०, 131, बालाबुधामनियम स्ट्रीट, के० के० पुरुर, कोयम्बटूर-641038।	16-5-93

ए० के० मजूमदार,
सचिव

दिनांक 29 सितम्बर 1993

(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स)

सं० 3-एस० सी० ए० (5)/4/93-94—इस संस्थान की अधिसूचना सं० 3-एस० सी० ए० (4)/9/91-92 दिनांक 1 जनवरी, 1992, 3-एस० सी० ए० (4)/10/88-89 दिनांक 27 जनवरी, 1989, 3-एस० सी० ए० (4)/3/92-93, दिनांक 27 नवम्बर, 1992 और 3-एस० सी० ए० (4)/8/90-91, दिनांक 1 दिसम्बर, 1990, के संदर्भ में चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1988 के विनियम 20 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 19 द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में निम्नलिखित सदस्यों का नाम पुनः उनके भागे दी गई तिथियों से स्थापित कर दिया है।

क्र०सं०	सदस्यता सं०	नाम एवं पता	दिनांक
1	2	3	4
1.	9267	श्री हरीगोपाल के०, एफ० सी० ए०, फाइनेन्शियल एडवाइजर एण्ड चीफ कन्ट्रोलर आफ एकाउन्ट्स, ए० पी० एस० ई० बोर्ड बिल्डिंग सोसा, हैदराबाद-500049।	28-6-93
2.	19838	श्री बशीर अहमद ए०, एफ० सी० ए०, नं० 3 बहेमसा गार्डन स्ट्रीट, अभिरामपुरम्, मद्रास-600018।	5-7-93
3.	21887	श्री उमापथी बी०, एफ० सी० ए०, सी-5, स्काईलार्क अपार्टमेंट्स, बशीर बाग, हैदराबाद-500029।	5-7-93
4.	23058	श्री कोटेश्वर राव मादिरैड्डी, ए० सी० ए०, नं० 24, ग्राम्हा गार्डन, मेहदीपटनम, हैदराबाद-500028।	25-6-93

1	2	3	4
5.	24227	श्री दीपाकरा के०, ए० सी० ए० एम० पी० कम्पाउन्ड, अशोक नगर, मंगलूर-575006।	
6.	25785	श्री रमानी शिव कुमार, ए० सी० ए०, फ्लैट नं० 6, आई० सी० आई०, सी० आई० अपार्टमेंट्स, 14, नोर्थ एवेन्यू, के० पी० पुरम, मद्रास-600028।	13-7-93
7.	27127	श्री चेन्नु मोहन ए०, ए० सी० ए०, 12 2 709/22 नौजोदया कालोनी, मेहदीपटनम, हैदराबाद-500028।	28-8-93
8.	28231	श्री मुम्बाराया कामा शास्त्री के० बी०, ए० सी० ए०, पो० बॉक्स नं० 70330, नैरोबी, कीन्या।	16-6-93

ए० के० मजूमदार,
सचिव

दिनांक 1 अक्टूबर, 1993

(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स)

सं० 3-एस० सी० ए० (8)/5/93-94—चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1988 के विनियम 10 (1) खण्ड (तीन) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित सदस्यों को जारी किए गए प्रैक्टिस प्रमाण-पत्र उनके भागे दी गई तिथियों से रद्द कर दिए गए हैं क्योंकि वे अपने प्रैक्टिस प्रमाण-पत्र को रखने के इच्छुक नहीं हैं।

क्रम सं०	सदस्यता सं०	नाम एवं पता	दिनांक
1	2	3	4
1.	18985	श्री कुमार भार०, एफ० सी० ए०, ललित अपार्टमेंट्स, शाउन्ड पवोर नं० 11/9 मंगीश स्ट्रीट, मद्रास-600017।	9-8-93
2.	25531	श्री शिवा प्रसाद, एफ० सी० ए०, पी० एम० बॉक्स 9215, दुवई, यू० ए० ई०।	8-6-92
3.	26701	श्री वेनुगोपाल के०, ए० सी० ए०, अमिताभ टा० सं० 1-2354-1, नवारांगम लेन, त्रिवेन्द्रम-695011।	31-3-93

1	2	3	4
4.	27496	श्री वामोदरा रेड्डी बी०, ए० सी० ए०, 2-4-93 1-8-149 एल० आई० जी० 37/2, बागलिगमपल्ली, हैदराबाद-500020।	
5.	28272	श्री राधिका वेंकटरामन भार०, 16-8-93 ए० सी० ए०, 10, मणिकम स्ट्रीट, वेस्ट मम्बालम, मद्रास-600033।	
6.	29203	श्री मोहन चम्पन एन०, ए० सी० ए०, 1-8-93 1295 कास, 3 गे घाउट, जे० भार० नगर फेज-1, बंगलूर-560078।	
7.	201384	श्री धनंजय मोहनम, ए० सी० ए०, 3-8-93 4/25/9, कम्भावीपेट, विजयवाडा-520009।	
8.	201932	मिस सुधा एस०, ए० सी० ए०, 31-3-93 प्लॉट नं० 63, यूनियन कारबाइड कोलोनी, उल्हागरम, मद्रास-600091।	

ए० के० मजूमदार,
सचिव

व इन्स्टिट्यूट आफ कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स आफ इण्डिया
कलकत्ता-700016, दिनांक 16 सितम्बर 1993

सं. 18—सी. डब्ल्यू. आर. (279) 93—द कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स रेग्युलेशन 1959 के रेग्युलेशन 18 का अनुसरण करते हुए उक्त रेग्युलेशन के रेग्युलेशन 17 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए व इन्स्टिट्यूट आफ कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स आफ इण्डिया की कार्पोरेशन ने अपने सदस्यता के रजिस्टर में श्री विजय कुमार सिंघानिया, एम. काम. एल. एल. बी. ए सी एस, ए आई सी डब्ल्यू ए, 58 के. व. के. टी. कालोनी (एम आई जी) कोरामंगला ले आउट, बंगलूर 56095 (सदस्य सं. 475224 जून, 1993 से प्रभावी का नाम पुनः लिख लिया है।

एस. आर. आचार्य
सेक्रेटरी

सं. 16 (सी डब्ल्यू आर) 1152-1153/93—द कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स रेग्युलेशन 1959 के रेग्युलेशन 16 का अनुसरण करते हुए एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स एक्ट, 1959 की धारा 20 की उप-धारा (1) (बी) के तहत दिये गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए व इन्स्टिट्यूट आफ कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स आफ इण्डिया

के निम्नलिखित सदस्यों का नाम अपनी सदस्यता के रजिस्टर में निकाल दिया है :—

1. श्री पी. सी. बासु, बी. एस. सी. बी. काम, एफ. आई सी. डब्ल्यू. ए. 61, रक्षा रोड पूर्व, कलकत्ता-700033।

(सदस्य सं. 185) उसके अपने अनुरोध पर दिनांक 18 अगस्त, 1993 से प्रभावी तथा

2. श्री ए. आर. राव, बी. काम (आनर्स) एल. एल. बी., ए आई सी डब्ल्यू ए सदस्य प्रत्यक्षकर का केन्द्रीय विभाग राजस्व मंत्रालय का एक विभाग, उत्तरी खण्ड, नई दिल्ली।

सं. 11-सी डब्ल्यू आर (138) 93—द कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स रेग्युलेशन 1959 के रेग्युलेशन 11 के उप-रेग्युलेशन (3) के तहत दिये गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए अधिसूचित किया जाता है कि श्री कटेश स्वामी, बी. काम, ए. आई. सी. डब्ल्यू. ए., 1-1-230/33/4, प्रथम तल उपोद्भिन्न, चिक्कडहल्ली हैदराबाद-500 020 (सदस्य संख्या 10666) को एंशेवर के रूप में कार्य करने हेतु स्वीकृत किया गया प्रमाणपत्र उनके अपने अनुरोध पर 11 अक्टूबर, 1993 से 30 जून, 1994 तक कि अवधि के लिये निरस्त किया गया है।

एस. आर. आचार्य
सेक्रेटरी

सं. 16 सी डब्ल्यू आर (1154-1161)/93—द कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स रेग्युलेशन 1959 के रेग्युलेशन 16 का अनुसरण करते हुए एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि व कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स एक्ट 1959 की धारा 20 की उप-धारा 1 (ग) के तहत दिये गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए व कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स आफ इण्डिया की कार्पोरेशन ने निम्नलिखित सदस्यों के नाम अपनी सदस्यता के रजिस्टर में हटा दिये हैं :—

1. श्री ए. डी. के. जैन, एम. काम, ए. आई. सी. डब्ल्यू. ए. ए-1/32, लारन्स रोड, केशर पुरम, दिल्ली-110035।

सदस्य संख्या 7347 दिनांक 4 सितम्बर, 1992 से प्रभावी।

2. श्री जी. आई. मोहन बा. एस. सी. एफ सी ए, ए आई सी डब्ल्यू ए द्वारा जी सान्नाल एण्ड कम्पनी। टैम्पल बिल्डिंग, 6, जोल्ड पोस्ट आफिस स्ट्रीट, कलकत्ता-700 001।

सदस्य सं. 259 5 जनवरी, 1993 से प्रभावी।

3. श्री एस. के. मित्रा, बी. एस. सी. एफ सी एम ए, एफ आई सी डब्ल्यू ए आर/296 ई ग्रेटर कैलाश। नई दिल्ली-110048।

सदस्य संख्या 461 5 अगस्त, 1993 से प्रभावी।

4. श्री गेनित्व पात्र, बी. काम, ए आई सी डब्ल्यू ए, आई. टी. के. कम्पलैक्स डब्ल्यू-204, म्युनिमिपल मार्केट कम्प्लेक्स, शहीद नगर, भवनेश्वर 751007।

(सदस्य सं. 2674) 20 फरवरी, 1992 से प्रभावी।

5. श्री बी. बी. किशोर, बी. काम. बी. एल. ए आई सी. डब्ल्यू ए 16-2-836ए 124/2, एल. आई. सी. कालोनी, रयवाबाद ।
सदस्य सं. 1061, 20 अप्रैल, 1991 से प्रभावी ।
6. श्री ओ. पी. सिंगल, बी. ए. एफ सी एस, ए आई सी डब्ल्यू ए, डब्ल्यूजेड 806ए रिश नगर, शकुर दस्ती, दिल्ली-110034 ।
सदस्य सं. 7389, 6 मार्च, 1991 से प्रभावी ।
7. श्री के. एम. देसाई, ए आई सी डब्ल्यू ए, 5 सुहदाई 116, एस. बी. रोड खेर बम्बई-400 052 ।
सदस्य सं. 515, 11 मार्च, 1992 से प्रभावी ।
8. श्री एस. एम. घणुगोपालन एम. ए. बी. काम ए आई सी डब्ल्यू ए बी-1 साई कृपा, 455 एच थाडगम रोड, कोम्बाटोर-641 002 ।
सदस्य सं. 2457 मृत्यु के कारण 7 दिसम्बर, 1991 से प्रभावी ।

एस. आर. आचार्य
सेक्रेटरी

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक 28 सितम्बर 1993

सं. यू-16/53/93-चि./ (उत्तर प्रवेश) —कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण विनियम, 1950 के विनियम 105 के तहत महानिदेशक को निगम की शक्तियाँ प्रदान करने के सम्बन्ध में कर्मचारी राज्य बीमा निगम की दिनांक 25 अप्रैल, 1951 को हुई बैठक में पास किये गए संकल्प के अनुसरण में तथा महानिदेशक के आदेश संख्या 1024 (जी) दिनांक 23-5-1983 द्वारा ये शक्तियाँ आगे मझे सौंपी जाने पर मैं इसके द्वारा डा. एस. एस. भट्टाचार्य जी मकान नं.-ए/116, आजाद नगर, कानपुर (उत्तर प्रदेश) को अंशकालिक चिकित्सा निदेशी के पद पर कागजर क्षेत्र में उन्हें उप-चिकित्सा आयुक्त (उत्तर क्षेत्र) व्हाग निविष्ट क्षेत्र के अन्तर बीमाकृत व्यक्तियों की स्वास्थ्य परीक्षा करने तथा मूल प्रमाण-पत्र की सत्यता संविध होने पर उन्हें आगे प्रमाण-पत्र जारी करने के प्रयोजन के लिए भौजूदा मामलों के अनुसार मासिक पारिश्रमिक पर उच्च से वह कार्यभार ग्रहण करने से अगले एक वर्ष के लिए या पूर्णकालिक चिकित्सा निदेशी के कार्यभार ग्रहण करने तक, इसमें से जो भी पहले हो, अंशकालिक चिकित्सा निदेशी के पद पर नियुक्ति करने की मन्जूरी देती हूँ और उसे चिकित्सा प्राधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती हूँ ।

डा. (श्रीमती) ए. ए. अम्बेकर
चिकित्सा आयुक्त

दिनांक 19 अक्टूबर 1993

सं. ग-16 (53) 85-चि. 2 (उड़ीसा) —कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम 1950 के विनियम 105 के तहत महानिदेशक को निगम की शक्तियाँ प्रदान करने के सम्बन्ध में कर्मचारी राज्य बीमा निगम की दिनांक 25 अप्रैल, 1951 की हुई बैठक में पास किए संकल्प के अनुसरण में तथा महानिदेशक के आदेश संख्या 1024 (जी) दिनांक 23-5-83 द्वारा ये 2-329 जी. आई. /93

शक्तियाँ आगे मुझे सौंपी जाने पर मैं इसके द्वारा अधीक्षक कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल कांसवहल को मानकों के अनुसार दैनिक मासिक पारिश्रमिक पर उनके द्वारा कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से एक वर्ष के लिए या पूर्णकालिक चिकित्सा निदेशी के कार्य ग्रहण करने तक, जो भी पूर्व हो, के उप-चिकित्सा आयुक्त (दक्षिण पूर्वी) जोन द्वारा निर्धारित उड़ीसा राज्य के क्षेत्रों के लिए बीमाकृत व्यक्तियों की स्वास्थ्य परीक्षा करने तथा मूल प्रमाण-पत्र की सत्यता संविध होने पर उन्हें आगे प्रमाण-पत्र जारी करने के प्रयोजन के लिए चिकित्सा अधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती हूँ ।

डा. (श्रीमती) ए. ए. अम्बेकर
चिकित्सा आयुक्त

दिनांक

शुद्धि-पत्र

भारत के राजपत्र भाग-3 खण्ड-4 के पृष्ठ 11521 में प्रकाशित कर्मचारी राज्य बीमा निगम की अधिसूचना संख्या एन-15/13/14/8/88-यो. एवं वि. दिनांक 2-3-93 की पांचवीं पंक्ति ।

"1 फरवरी, 1993 के स्थान पर" 1 मार्च, 1993 पढ़ा जाए ।

ओ. अब्दुल हमीद,
निदेशक (यो. एवं वि.)

क्षेत्रीय कार्यालय

कण्डीगढ़, दिनांक 9 सितम्बर 1993

संख्या 14. बी. 34/13/1/86-प्रशा.—कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम 1950 के विनियम 10-ए के अन्तर्गत दी गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए अध्यक्ष क्षेत्रीय बोर्ड हिमाचल प्रदेश ने पीटा साहिब और कालाजम्ब क्षेत्र (जहाँ कर्मचारी राज्य-बीमा अधिनियम 1948 का अध्याय 4 व 5 पहले से ही लागू हैं) की स्थानीय समिति का गठन किया है । इस समिति में निम्नलिखित सदस्य होंगे । यह समिति अधिसूचना जारी होने की तारीख से, प्रभावी होगी ।

अध्यक्ष

विनियम 10-ए (1) (ए) के अधीन

1. उप-मंडल अधिकारी (नागरिक पीटा साहिब)
पीटा साहिब,
जिला सिरमौर (हिमाचल प्रदेश)

विनियम 10-ए (1) (बी) के अधीन

2. श्रम निरीक्षक,
पीटा साहिब,
जिला सिरमौर (हिमाचल प्रदेश)
विनियम 10-ए (1) (सी) के अधीन
3. प्रभारी चिकित्सा अधिकारी,
ई. एस. आई. औषधालय,
पीटा साहिब/कालाजम्ब,
जिला सिरमौर (हिमाचल प्रदेश)

विनियम 10-ए (1) (डी) के अधीन

4. श्री के. सी. अजाद
वाइस चेंबरमैन,
मालवा काटन स्पनिंग मिल्स,
पटनिया तहसील पीटा साहिब,
जिला सिरमोर (हिमाचल प्रदेश)
 5. श्री विजय गांधी,
प्रबन्धक,
सत्या श्री सीमेंट उद्योग प्रा. लिमिटेड,
गांव भगंरानी, तहसील पीटा साहिब,
जिला सिरमोर (हिमाचल प्रदेश)
 6. श्री बी. सी. बक्षिष्ट
निदेशक,
स्टील फैक्टरी,
काला अम्ब,
जिला सिरमोर (हिमाचल प्रदेश)
- विनियम 10-ए (1) (ई) के अधीन
7. श्री रोशन लाल
महासचिव,
सत्या श्री सीमेंट एम्पलाइज यूनियन,
गांव हगारनी, डा. व तहसील पीटा साहिब,
जिला सिरमोर (हिमाचल प्रदेश)
 8. श्री बी. के. शर्मा, महासचिव
सीमेंट कार्पोरेशन एम्पलाइज यूनियन,
डा. राजवन, तहसील पीटा साहिब,
जिला सिरमोर (हिमाचल प्रदेश)
 9. श्री गुरमेल सिंह, दर्गास्टील वरकर्स,
दर्गा स्टील वरकर्स यूनियन कालाअम्ब
तहसील नाहन,
जिला सिरमोर (हिमाचल प्रदेश)

विनियम 10-ए (1) (एफ) के अधीन

10. प्रबन्धक,
स्थानीय कार्यालय,
कर्मचारी राज्य बीमा निगम,
पीटा साहिब।

सदस्य सचिव
आज्ञा से
एस. एस. अबरोल
क्षेत्रीय निदेशक

सं. 14 बी. 34/13/1/86-प्रश्न.—कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम 1950 के विनियम 10-ए के अन्तर्गत की गई शक्तियों का प्रयोग करने हुए अध्यक्ष, क्षेत्रीय बोर्ड, हिमाचल प्रदेश के परवाण और सोलन क्षेत्र (जहाँ कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 का अध्याय 4 व 5 पहले से ही लागू हैं) की स्थानीय समिति का गठन किया है। इस समिति में निम्नलिखित सदस्य होंगे। यह समिति अधिसूचना जारी होने की तारीख से प्रभावी होगी।

अध्यक्ष

विनियम 10-ए (1) (ए) के अधीन

1. सहायक आयुक्त,
परवाण, जिला सोलन

सदस्य

विनियम 10-ए (1) (बी) के अधीन

2. श्रम निरीक्षक,
परवाण, हिमाचल प्रदेश

विनियम 10-ए (1) (सी) के अधीन

3. प्रभारी शिक्षित अधिकारी,
कर्मचारी राज्य बीमा औद्योगिक
परवाण/सोलन

विनियम 10-ए (1) (डी) के अधीन

4. श्री राजन जैन,
मैनेजिंग डायरेक्टर,
मैसर्स ए. वी. टूलस लि
प्लॉट नं. 7-8,
सेक्टर-3, परवाण
जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश।
3. श्री रवि चावला,
रायल डिस्ट्रिक्ट लि.,
सेक्टर-1, परवाण, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश।
6. श्री मोहित नाहटा,
हिमाचल पेट्रिस्टिक लि.,
खम्बाघाट, जिला सोलन,
हिमाचल प्रदेश

विनियम 10-ए (1) (ई) के अधीन

7. श्री एस. एन. बमर,
निवालाक एग्री फेली प्रोजेक्शन मजदूर संघ,
परवाण जिला सोलन,
हिमाचल प्रदेश।

8. श्री कन्दन लाल कर्मा,
एच पी एम. सी. जस फैक्टरी,
परवाण, जिला सोलन,
हिमाचल प्रदेश

9. मास्टर राम स्वरूप,
प्रधान इंटक, जिला सोलन,
मयर कम्पलैक्स, जिला सोलन
हिमाचल प्रदेश।

विनियम 10-ए (1) (एफ) के अधीन

10. प्रबन्धक, स्थानीय कार्यालय,
कर्मचारी राज्य बीमा निगम,
परवाण।

सदस्य सचिव
आज्ञा से
एस. एस. अबरोल
क्षेत्रीय निदेशक

सं. 14 बी. 34/13/1//86-प्रशा.—कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम 1950 के विनियम 10-ए के अंतर्गत दी गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए अध्यक्ष क्षेत्रीय बोर्ड हिमाचल प्रदेश ने बराटीवाला और बद्दी क्षेत्र (जहाँ कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 का अध्याय 4 व 5 पहले से ही लागू है) की स्थानीय समिति का गठन किया है। इस समिति में निम्नलिखित सदस्य होंगे। यह समिति अधिसूचना जारी होने की तारीख से प्रभावी होगी।

अध्यक्ष

विनियम 10-ए(1)(ए) के अधीन

1. उप मंडल अधिकारी (नागरिक)
नालागढ़, जिला सोलन,
हिमाचल प्रदेश।

सदस्य

विनियम 10-ए(1)(बी) के अधीन

2. श्रम निरीक्षक,
नालागढ़, जिला सोलन,
हिमाचल प्रदेश।

विनियम 10-ए(1)(सी) के अधीन

3. प्रभारी चिकित्सा अधिकारी,
कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय,
बराटीवाला, बद्दी,
जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश।

विनियम 10-ए(1)(डो) के अधीन

4. श्री बी. डी. छत्तारालिया, वर्कर्स मैनेजर,
मै. चन्द्रा लक्ष्मी टेम्पले ग्लास कम्पनी,
प्रा. लि., गांव वटदे डाकखाना बराटीवाला,
जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश।
5. श्री आर. के. गर्ग,
गोविन्द फार्मा प्रा. लि., बद्दी,
जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश।

विनियम 10-ए(1)(ई) के अधीन

6. श्री रामदेवर सिंह, प्रधान,
टैक्सटाइल मिलज,
वर्कर्स यूनियन, नालागढ़,
जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश।
7. श्री यशवंत सिंह,
विनसन टैक्सटाइल मिलज,
बद्दी, तहसील नालागढ़,
जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश।

सदस्य सचिव

विनियम 10-ए(1)(एफ) के अधीन

8. प्रबंधक स्थानीय कार्यालय,
कर्मचारी राज्य बीमा निगम,
बराटीवाला।

आज्ञा से

एस. एस. अबरोल,
क्षेत्रीय निदेशक

सं. 14 बी. 34/13/1/86-प्रशा.—कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम 1950 के विनियम 10-ए के अंतर्गत दी गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए अध्यक्ष क्षेत्रीय बोर्ड हिमाचल प्रदेश ने महेतपुर क्षेत्र (जहाँ कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 का अध्याय 4 तथा 5 पहले से ही लागू है) की स्थानीय समिति का गठन किया है। इस समिति में निम्नलिखित सदस्य होंगे। यह समिति अधिसूचना जारी होने की तारीख से प्रभावी होगी।

अध्यक्ष

विनियम 10-ए(1)(ए) के अधीन

1. उप मंडल अधिकारी (नागरिक),
ऊना, जिला ऊना,
हिमाचल प्रदेश।

सदस्य

विनियम 10-ए(1)(बी) के अधीन

2. श्रम निरीक्षक,
ऊना, जिला ऊना,
हिमाचल प्रदेश।

विनियम 10-ए(1)(सी) के अधीन

3. प्रभारी चिकित्सा अधिकारी,
ई.एस.आई. औषधालय, महेतपुर,
जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश।

विनियम 10-ए(1)(डो) के अधीन

4. श्री एच. सी. जैन, प्रबंधक,
मैसर्स सलेखा कोजलज प्रा. लि.,
22, औद्योगिक क्षेत्र, महेतपुर,
जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश।

विनियम 10-ए(1)(ई) के अधीन

5. श्री अशोक कुमार, महासचिव,
कन्ट्री लिंकर वर्करज यूनियन,
गांव व डाकखाना छत्तरा,
जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश।

6. श्री रमेश रत्न, महासचिव,
हिमाचल प्रदेश कर्मचारी एटक,
गांव वसदेवरा (महेतपुर)
जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश।

सदस्य सचिव

विनियम 10-ए(1)(एफ) के अधीन

7. प्रबंधक, स्थानीय कार्यालय,
कर्मचारी राज्य बीमा निगम,
हांशिपारापुर।

आज्ञा से

एस. एस. अबरोल,
क्षेत्रीय निदेशक

कर्मचारी राज्य बीमा निगम
नई दिल्ली दिनांक 4 नवम्बर 1993

सं० एन-12/13/92-मो. एवं वि० यथा संशोधित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा 97 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कर्मचारी राज्य बीमा निगम, कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 में निम्नलिखित मसौदा संशोधित करना चाहता है जिन्हें उक्त धारा की उपधारा (1) द्वारा यथा अवैध रूप में उससे प्रभावित होने वाले सभी सम्भावित व्यक्तियों की सूचना के लिए प्रकाशित किया जाता है तथा एतद् द्वारा नोटिस दिया जाता है कि अधिसूचना जारी करने की तारीख के 30 दिन बाद मसौदा संशोधनों पर विचार किया जाएगा।

उक्त मसौदा संशोधनों के संबंध में किसी भी व्यक्ति से इस प्रकार निर्धारित अवधि के अन्तर प्राप्त होने वाली आपत्ति प्रथम सुझाव पर उक्त निगम द्वारा विचार किया जाएगा।

कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम 1950 के मसौदा संशोधन

कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम 1950 के अन्तर्गत निर्धारित विनियम प्ररूप-6 तथा प्ररूप-7 में निम्नलिखित संशोधन आएंगे :

1. प्ररूप-6 (अंशदान की विवरणी) :—बीजूवा प्ररूप-6 संलग्न नए प्ररूप-6 द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा।
2. प्ररूप-7 (कर्मचारियों का रजिस्टर) :—प्ररूप-7 में एक नया कालम-3-क पाठ सम्बद्ध "श्रीवधालय का नाम" कालम-3 तथा कालम-4 के बीच अन्तः स्थापित किया जाएगा।
3. विनियम 108 के बाद निम्नलिखित नया विनियम-109 जोड़ा जाएगा।

विनियम-109—नियोजक या बीमाकृत व्यक्ति प्रतिरिक्त सूचना प्रस्तुत करें

नियोजक या बीमाकृत व्यक्ति जैसी भी स्थिति हो, समुचित कार्यालय से मांग करने पर महानिदेशक द्वारा निर्दिष्ट किये गये ऐसे कार्य में सूचना प्रस्तुत करेंगे।

भगवती प्रसाद,
बीमा आयुक्त

कार्य-6

बार प्रतियों में

नियोजक की कोड संख्या-----
स्थानीय कार्यालय का नाम-----

कर्मचारी राज्य बीमा निगम
अंशदानों की विवरणी
(विनियम-26)

कारखाना और स्थापना का नाम और पता-----
प्रधान नियोजक के ब्यारे :

(क) नाम :

(ख) पदनाम :

(ग) आवासीय पता :

अवधि : ----- से ----- तक

मैं निम्नलिखित बीमाकृत व्यक्तियों के संबंध में नियोजकों व कर्मचारियों के भाग (सेयर) के अंशदान के ब्यारे नीचे प्रस्तुत करता हूँ। मैं तद्विधवा यह घोषणा करता हूँ कि विवरणी में उस प्रत्येक कर्मचारी को शामिल

किया गया है जिसे कारखाना/स्थापना में या उसके कार्य के संबंध में या कारखाना/स्थापना के प्रशासन से संबंधित किसी भी कार्य के संबंध में या कच्चा माल खरीदने या तैयार माल के बेचने या वितरण आदि के संबंध में सीधे या आसन्न नियोजक के माध्यम से नियुक्त किया गया है तथा जिस पर विवरणी से संबंधित अंशदान अवधि लागू होती है तथा अंशदान की अदायगी करने से संबंधित अधिनियम तथा विनियम के उपबन्धों के अनुसार नियोजक व कर्मचारी के भाग (सेयर) के संबंध में अंशदानों की अदायगी अगले पृष्ठ पर दिये गये आलापनों द्वारा सहोदग से कर दी गई है।

नियोजक के भाग----- रुपये तथा कर्मचारी के भाग----- रुपये सहित कुल अंशदान की राशि----- रुपये की अदायगी निम्न-लिखित रूप में की गई :—

1. आलापन तिथि----- रुपये के लिए-----
2. आलापन तिथि----- रुपये के लिए-----
3. आलापन तिथि----- रुपये के लिए-----
4. आलापन तिथि----- रुपये के लिए-----
5. आलापन तिथि----- रुपये के लिए-----
6. आलापन तिथि----- रुपये के लिए-----

कुल रु०

स्थान----- हस्ताक्षर-----

दिनांक----- पद-----

महत्वपूर्ण अनुदेश

1. अभ्युक्तियों के कालम (सं०-8) में दो जाने वाली सूचना।

(1) यदि कोई बीमाकृत व्यक्ति अंशदान अवधि के दौरान पहली बार नियुक्त किया जाता है और या नौकरी छोड़ देता है तो अभ्युक्तियों कालम (सं०-8) में नियुक्ति की तारीख----- और या छोड़ने की तारीख----- लिख।

(2) कृपया श्रीवधालय का नाम सूचित करें जिससे बीमाकृत व्यक्ति सम्बद्ध (केवल एक बार दिया जाए) है।

(3) नए आगन्तुकों के मामले कृपया श्रीवधालय का नाम सूचित करें जिससे बीमाकृत व्यक्ति सम्बद्ध है।

(4) श्रीवधालय के नाम में परिवर्तन के मामले में कृपया अभ्युक्तियों के कालम में नए श्रीवधालय का नाम सूचित करें।

2. कृपया बीमा संख्या कालम (आरोही) में लिखें।

3. अंशदान अवधि के दौरान समाप्त मजदूरी अवधियों के सम्बन्ध में आंकड़े कालम 4, 5 व 6 में दिये जायें।

4. विवरणी के कालम 4, 5 व 6 का जोड़ अनिवार्य रूप से किया जाए।

5. किसी प्रकार का अधिलेखन (ओवर राइटिंग) न किया जाए। किसी प्रकार के सुधार नियोजक द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए।

6. इस विवरणी के प्रत्येक पृष्ठ पर नियोजक के पूरे हस्ताक्षर व रबड़ की मोहर लगी होनी चाहिए।

7. विवरणी के कालम 7 में 'दैनिक मजदूरी' की गणना कालम 5 में दिए गए प्रांकड़ों को कालम 4 में दिए गए प्रांकड़ों में दो दशमलव तक भाग करके की जानी चाहिए।

क्रम सं०	बीमा संख्या	बीमाकृत व्यक्ति का नाम	प्रदा की गई मजदूरी के दिनों की संख्या	प्रदा की गई मजदूरी की कुल राशि
1	2	3	4	5
काटा गया कर्मचारी का अंशदान	5	क्या अभी तक बीमा योग्य मजदूरी की अधिकतम सीमा के अन्दर लगातार कार्य कर रहा है तथा मजदूरी प्राप्त कर रहा है।	प्रभियुक्तियाँ	
6	7	7-क	8	

श्रम मंत्रालय

केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 14 अक्टूबर 1993

सं. 2/1959/डी. एल. आइ. /एकजाम/89/भाग-1/2941—जहां मैसर्स पापुलर शिपिंग एजेंसीज, 2, बर्च लन, कलकत्ता-700 001 (डब्ल्यू डी/14153) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के कर्मचारी निक्षेप सहवर्द्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकृत लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना सं. 2/1959/डी. एल. आइ. /एकजाम/89-भाग-1 दिनांक

22-3-1990 के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के संचालन से उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूँ। दिनांक 1-3-1992 से 28-2-1995 तक लागू होगा जिसमें यह तिथि 28-2-1995 भी शामिल है।

अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिस इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्धारित करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केंद्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किये जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभूये हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संवदेय होगी जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिवक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिफल के रूप में वानों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्ति-युक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यसक हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की वशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्दार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम,

केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एन. आई./एकजाम/89/भाग-1/2949--जहाँ मंसर्स वालेंस फार्मास्यूटिकल्स लि., रूआ डी औरेम, पाणजी, गोवा-403001 (गोवा/9843) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूँकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अवायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना सं. 2/1959/डी. एन. आई./एकजाम/89-भाग-1 दिनांक 24-9-1990 के अनुसरण में तमा संलग्न अनुसूची में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के संचालन से उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि

के लिए छूट प्रदान करता हूँ। दिनांक 1-3-1990 से 31-8-1992 तक लागू होगा जिसमें यह तिथि 31-8-1992 भी शामिल है।

अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसमें इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीमों के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुत संख्या की भाषा में उसकी मूल्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी या कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध लाभों में समूचित रूप से वृद्धि किये जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होगा तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना विधिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति में कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस निगम तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यसक हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यतिक्रम की वशा से उन मत सदस्यों के नाम निदेशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निदेशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एन. आर्. /एकजाम/89/भाग-1/2957—जहां मैन्स कोसमै मटिशम मैनेजिस लि., राव-दे-आरम, पानजीम, गोवा, कोड सं. गोवा/970/1. शाखा सहित ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जो उक्त एन. एन. आर्. उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात में संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोर्ट अल्प अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निवेश महसूद बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक उत्तम है (जिसमें इसमें उनके पश्चात् भीतर कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम, उक्त

स्थापना को उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त गोवा ने स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत ढील प्रदान की है, 1-10-1989 से 30-9-1992 तक की अवधि के लिए उक्त स्कीम में संचालन की छूट देता हूं।

अनुसूची- II

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्विष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्विष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के पेंशन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की वह संख्या की भाषा में उसकी मूल्य बातों का अनुवाद स्थापना के गचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवदन करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बचाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सम्मिलित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो तो उक्त स्कीम के प्रतीक अनुक्रम है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होने हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदाय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदाय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निदेशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर शेष राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्ण अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम को, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी गति में कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यस्क हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्दार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम,
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकत्राम/89/भाग-1/2965—जहाँ मैसर्स भारत हेवी इलेक्ट्रिकल लि., कैलाशपुरम, त्रिची-620014 (टीएन/5249) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसमें इसमें उसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहस्रवर्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनु-कूल है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत

सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना सं. एस./35014/208/83-पी. एफ. 2 दिनांक 30-6-1988 के अनुसारण में तथा संलग्न अनुसूची में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के संचालन से उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूँ, दिनांक 24-12-1989 से 23-12-1992 तक लागू होगा जिसमें यह तिथि 23-12-1992 भी शामिल है।

अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के पेंशन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सचिव के पट्ट पर प्रवर्तित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले में ही स्वयं है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वास्तविक अवधि प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सम्मिलित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों में अधिक वृद्धि हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि में कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेगा।

अनुसूची-II

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना व्यक्तिगत स्पष्ट करने का मुक्तिपत्र अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस निश्चित तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में दिया गया किसी व्यक्तिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जहां यदि यह छूट की गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होने, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार लाभ निर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर स्निहित करेगा।

बी. एन. सोम,

केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जाम/89/भाग-1/2973—जहां मैसर्स छिदवाडा-सिक्की क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, छिदवाडा, मध्य प्रदेश (एम. पी./5253) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उप-धारा 2(क) के अंतर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्थापना की उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना की क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त जबलपुर ने स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत विल प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट देता हूँ। (दिनांक 1-8-1988 से 31-7-1991 तक)

3-329 GI/93

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजन (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के पैसे में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाता, निदेशिकाओं का प्रस्तुत किया जाना, वगैरह प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जय कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन को प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संस्था की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य विधि का पहलू से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात को होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संवेद्य होती जय वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में वानों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यस्क हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की वशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्विधियों या विधिक धारियों को जो यदि यह छूट दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्विधियों/विधिक धारियों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम,
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एस. आई./एकजाम/89/भाग-1/2981—जहाँ मैसर्स एसेसिएट्स सीमेंट कं. लि., कटनी, पी. ओ. कटनी (एफ. 483504) (एम. पी./46) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

श्रीकै. मै. बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अवयगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अभिसूचना सं. एस-35014(417)82/पी. एफ. 2 दिनांक 1-5-1986 के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मै. बी. एन. सोम उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन से उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता है, दिनांक 27-11-88 से 26-11-91 तक लागू होगा जिसमें यह तिथि 26-11-91 भी शामिल है।

अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के पेंशन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उन्में संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की वह संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में निगोहित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वास्तव अवस्थाक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किये जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदाय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस वृत्त में संदाय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक धारिस/नाम निर्विधियों को प्रतिफल के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यस्क हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की वशा में उन मृत सदस्यों के नाम निवृत्तियों या विधिवक वारिसों को जो यदि यह छूट दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य को मृत्यु होने पर उसके हक्कार नाम निवृत्तियों/विधिवक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

भारतीय यूनिट ट्रस्ट

बम्बई, दिनांक 1 अक्टूबर 1993

यू टी/डी बी डी एस/आर 58 ए/एस पी डी 3/93-94—निम्नलिखित योजनाओं के प्रावधानों के संशोधन सूचीकरण के लिए है (बाह्य वे सूचीबद्ध किए जा चुके हैं या भविष्य में सूचीबद्ध किए जाते हैं) :—

1. म्यूचुअल फण्ड (सब्सिडियरी) यूनिट योजना 1986 (मास्टर शेयर)
2. यूनिट वृद्धि योजना 2000 (यू जी एस 2000)
3. यूनिट वृद्धि योजना 5000 (यू जी एस 5000)
4. मास्टर शेयर प्लस यूनिट योजना 1991 (मास्टर प्लस 1991)

5. पूंजी वृद्धि यूनिट योजना 1992 (मास्टरप्लान 1992)
6. यूनिट योजना 1992 (यू एस 1992)*
7. मास्टर इक्विटी प्लान 1993 (एम ई पी 1993)*
8. मास्टर ग्रोथ यूनिट योजना (1993)*

जिसे भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1993 की धारा के अन्तर्गत बनाया गया है और मास्टर इक्विटी प्लान जिसे भारतीय यूनिट अधिनियम, 1963 की धारा 19 (1) (8) (सी) के अन्तर्गत बनाया गया है और मास्टर इक्विटी योजना जिसे भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 की धारा 21 के अन्तर्गत बनाया गया है और 9 अगस्त 1993 को हुई कार्यकारिणी समिति की बैठक में अनुमोदित किया गया है, नीचे प्रकाशित है।

अनुबंध

सूचीबद्ध की जाने वाली योजनाओं के प्रावधानों के संशोधन

- (1) म्यूचुअल फण्ड (सब्सिडियरी) यूनिट योजना 1986 (मास्टरशेयर)

“यूनिटों के विक्री” के खण्ड 3 (ए) (बी) में निम्नलिखित को नया पैरा के रूप में जोड़ा गया है। “उपयुक्त पैरा या अन्य किसी खंड में किसी बात के अन्वयात् होते हुए, योजना के अन्तर्गत यूनिटों का अन्तरण बाह्य शेयरबाजारों जहां पर वे सूचीबद्ध हैं के द्वारा या अन्यथा की स्थिति में, यूनिट कोई भी या उत्तरजीवी आधार पर धारण करने की सुविधा योजना के अन्तर्गत अंतरिती (यों) को नहीं उपलब्ध होगी और उक्त अंतरिती द्वारा कोई भी निवेदन को ट्रस्ट द्वारा किसी भी परिस्थिति में नहीं माना जाएगा।”

- (2) यूनिट वृद्धि योजना 2000 (यू जी एस 2000)

यूनिटों के लिए आवेदन के खण्ड 4 (1) में निम्नलिखित को नया पैरा के रूप में जोड़ा जाएगा—“किसी बात के विरुद्ध न होते हुए, योजना के अन्तर्गत यूनिटों का अन्तरण बाह्य बाजारों जहां पर वे सूचीबद्ध हैं, के द्वारा या अन्यथा, यूनिट कोई भी या उत्तरजीवी आधार पर धारण करने की सुविधा योजना के अन्तर्गत अंतरिती को नहीं उपलब्ध होगी और उक्त अंतरिती द्वारा कोई भी निवेदन को ट्रस्ट द्वारा किसी भी परिस्थिति में नहीं माना जाएगा।”

- (3) यूनिट वृद्धि योजना 5000 (यू जी एस 5000)

“यूनिटों के लिए आवेदन” पर खण्ड 4 (1) में निम्नलिखित को नया पैरा के रूप में जोड़ा गया है। “खण्ड 4 (1) में या अन्य किसी खण्ड में किसी बात के अन्वयात् होते हुए, योजना के अन्तर्गत यूनिटों का अन्तरण, बाह्य बाजार द्वारा जहां पर योजना सूचीबद्ध है या अन्यथा, योजना के अन्तर्गत अंतरिती को यूनिटों का धारण कोई भी या उत्तरजीवी आधार पर उपलब्ध नहीं होगा और अंतरिती द्वारा ऐसी सुविधा के लिए कोई भी निवेदन को ट्रस्ट द्वारा किसी भी परिस्थिति में नहीं माना जाएगा।”

*सूचीबद्ध करने की तिथि से/उक्त तिथि जब से अन्तरण की अनुमति दी जाएगी, से लागू होगा।

(4) मास्टर शेयर प्लस यूनिट योजना 1991 (मास्टरप्लस 91)

“यूनिटों के लिए बिक्री” पर खण्ड 4 (बी) में निम्नलिखित को नया पैरा के रूप में जोड़ा गया है। “उपयुक्त पैरा में या अन्य कोई खण्ड में किसी बात के अन्वयात् होते हुए, योजना के अन्तर्गत यूनिटों का अंतरण, शेयर बाजार द्वारा जहाँ पर सूचीबद्ध है या अन्यथा, योजना के अन्तर्गत अंतरिती को यूनिटों का धारण कोई भी या उत्तरजीवी आधार पर उपलब्ध नहीं होगा और अंतरिती द्वारा ऐसी सुविधा के लिए कोई भी निवेदन को, ट्रस्ट द्वारा किसी भी परिस्थिति में नहीं माना जाएगा।”

(5) पूंजी वृद्धि यूनिट योजना 1992 (मास्टरप्लस 92)

“यूनिटों के लिए आवेदन” पर खण्ड 5 (1) (i) में निम्नलिखित को नया पैरा के रूप में जोड़ा गया है। “कोई भी खण्ड में किसी भी बात के अन्वयात् होते हुए, योजना के अन्तर्गत यूनिटों का अंतरण, शेयर बाजार द्वारा/जहाँ पर योजना सूचीबद्ध है या अन्यथा है, योजना के अन्तर्गत यूनिटों का अंतरण कोई भी या उत्तरजीवी आधार पर अंतरिती (यों) को उपलब्ध नहीं होगा और अंतरिती (यों) द्वारा ऐसी सुविधा के लिए कोई भी निवेदन किसी भी परिस्थिति में ट्रस्ट द्वारा नहीं माना जाएगा।”

(6) यूनिट योजना 1992 (यू एस 92)

“यूनिटों के लिए आवेदन के खण्ड 4 (1) में निम्नलिखित को नया पैरा के रूप में जोड़ा गया है। उपर्युक्त पैरा में किसी बात के अन्वयात् होते हुए या अन्य किसी खण्ड में योजना के अन्तर्गत यूनिटों के अंतरण की स्थिति में, चाहे शेयर बाजार वहाँ पर वे सूचीबद्ध हैं के द्वारा या अन्यथा, योजना के अन्तर्गत यूनिटों कोई भी या उत्तरजीवी आधार पर धारण करने

की सुविधा अंतरिती को उपलब्ध नहीं होगी और उक्त अंतरिती द्वारा ऐसी सुविधा के लिए निवेदन किसी भी स्थिति में ट्रस्ट द्वारा माना नहीं जाएगा।”

(7) मास्टर इक्विटी प्लान 1993 (एम ई पी 93)

“यूनिटों के लिए आवेदन” के खण्ड 4 (ए) की योजना के प्रावधान में और “भाग लेने के लिए पात्रता” के खण्ड 1 (ए) में निम्नलिखित को नया पैरा के रूप में जोड़ा गया है— उपर्युक्त पैरा में या किसी खण्ड में किसी बात के होते हुए योजना (या प्लान जैसा मामला हो) के अन्तर्गत यूनिटों का अन्तरण के स्थिति में, शेयर बाजार द्वारा जहाँ पर योजना (या प्लान जैसा मामला हो) सूचीबद्ध है या अन्यथा, यूनिटों को कोई भी या उत्तरजीवी आधार पर धारण करने की सुविधा योजना (या प्लान जैसा मामला हो) के अन्तर्गत अंतरिती उपलब्ध नहीं होगी और कोई भी निवेदन उक्त अंतरिती द्वारा ऐसी सुविधा के लिए ट्रस्ट द्वारा किसी भी परिस्थिति में माना नहीं जाएगा।”

(8) मास्टर प्रोथ यूनिट योजना 1993 (एम ई पी 93)

“निवेशकों के वर्ग” के खण्ड 4 (1) में निम्नलिखित को नया पैरा के रूप में जोड़ा जाएगा—उपर्युक्त पैरा में किसी बात के होते हुए “यूनिटों की बिक्री” के खण्ड 5 में, या अन्य खण्ड में, योजना के अन्तर्गत यूनिटों के अन्तरण की स्थिति में शेयर बाजार द्वारा जहाँ पर योजना सूचीबद्ध है या अन्यथा, यूनिटों को कोई भी या उत्तरजीवी आधार पर धारण करने की सुविधा, अंतरिती को योजना के अन्तर्गत उपलब्ध नहीं होगी और उक्त अंतरिती द्वारा ऐसी सुविधा के लिए निवेदन ट्रस्ट द्वारा किसी भी परिस्थिति पर नहीं माना जाएगा।”

ये संशोधन 1 सितम्बर, 1993 से लागू होंगे।

STATE BANK OF INDIA

CENTRAL OFFICE

Bombay, the 18th October 1993

SBD. No. 15/1993.—In exercise of the powers under Sub-section (1) of Section 63 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959, and as approved by the Reserve Bank of India and the Board of Directors of the Associate Bank, the State Bank of India has approved the undernoted amendment in Rule 12 of the State Bank of Hyderabad Employees' Pension Fund Rules :—

Rule 12

“The retirement of all employees, who are members of the Pension Fund, shall be subject to the sanction of the Board or its executive Committee or of such authority or official, not below the rank of General Manager as may be authorised in this behalf by the Board or the Executive Committee, as the case may be. Any employee who shall leave the service without sanction, as required by this rule shall forfeit all claim upon the fund for pension.”

By the orders of the Central Board

M. K. SINHA,
Dy. Managing Director
(Associate Banks).

STATE BANK OF INDIA

CENTRAL OFFICE

Bombay, the 19th October 1993

SBD. No. 16/1993.—It is hereby notified for general information that in pursuance of clause (c) of sub-section (1) of Section 25 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959, the State Bank of India has, in consultation with Central Government and Reserve Bank of India, nominated Dr. N. D. Joshi, Pulluvilakathu Veed, TC 9/1204, Manglam Lane, Sasthamangalam, Thiruvananthapuram, as director on the Board of Directors of State Bank of Travancore for a period of three years with effect from 25th October 1993 to 24th October 1996 (both days inclusive) in place of Shri T. P. Chellappan.

D. BASU,
Chairman.

ALLAHABAD BANK

(HEAD OFFICE)

(LEGAL DEPARTMENT)

Calcutta-700 001, the 28th September 1993

CORRIGENDUM

No. HO/Legal/0814.—In the English Version of the Notification No. HO/Legal/333/1137 dated 28-12-1992 published in the Gazette of India, dated 8th May, 1993, Part III, Section 4, the first line of Sub-para (a) of Para 3 of the notice should have been read as "In the proviso to sub-regulation (2) of Regulation 5".

B. P. GHOSH

Asstt. General Manager (Law)

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

New Delhi-110002, the 28th September 1993

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 3NCA(8)/2/93-94.—In pursuance of clause (iv) of Regulation 10 (1) read with Regulation 10(2)(b) of Chartered Accountants Regulations 1988, it is hereby notified that the certificate of Practice issued to the following members shall stand cancelled with effect from the dates mentioned against their names as they had not paid their annual fee for certificate of practice.

Sl. No.	Membership No.	Name and Address	Date of Cancellation
1.	71054	Shri Ishwar Chand Singhvi, ACA, C/o Doogar & Associates Pvt Ltd., 13, Community Centre, East of Kailash, New Delhi-110065.	1-8-87
2.	80938	Shri Madhukar Khosla, FCA, Chartered Accountant, 153, Sector-9-B, Chandigarh-160017.	1-4-93
3.	81844	Shri Ravinder Kumar Nayar, ACA, 1/34, Roop Nagar, Delhi-110007.	1-10-90

K. MAJUMDAR,
Secretary

New Delhi-110002, the 28th October 1993

No. 13-CA(Exam)/N 93.—In continuation of the Institute's Notification No. 13-CA(Exam)/N/93 dated 6th October 1993, it is further notified for general information that in order to give an opportunity for exercise of franchise to such of the eligible candidates of the Chartered Accountants Intermediate and Final Examinations, November, 1993 whose names are included in the Voters List for the Himachal Pradesh Assembly Election, an option is given to appear in the papers of the Examinations which are scheduled to be held on 9th November 1993, on 11th November 1993. Therefore, the Examinations in the respective papers of the said examinations scheduled for 9th November, 1993 will be held for the said category of candidates only on 11th November, 1993 at Arwachin Bharti Bhawan

Senior Secondary School, 'C' Block, Opp. 'D' Block Market, Vivek Vihar, Delhi-11009 only The timing and session of the respective examinations to be held on 11th November, 1993 would, however, remain unchanged.

Eligible candidates who desire to avail of the said option are required to submit their request, in the former prescribed for the purpose, latest by 5th November, 1993 at the office of the Institute at New Delhi/Noida or at their respective examination centres at Chandigarh, Jammu, Ludhiana, Ambala, Yamunanagar, Delhi/New Delhi, Ghaziabad and Meerut. The prescribed forms are available at the offices of the Institute at New Delhi/Noida and also at the offices of the Superintendents of our examinations at the said places.

JAGDAMBA PRASAD,

Sr. Dy. Secretary (Exams.).

Kanpur-208001, the 9th August 1993

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 3CCA(5)(1)/93-94.—With reference to this Institute's Notification Nos. 3CCA(4)(6)/91-92 dt. 26-12-91, 3CCA(4)(7)/90-91 dt. 30-11-90, 3CCA(4)(3)/92-93 dt. 11-11-92, 3CCA(4)(6)/92-93 dt. 29-1-93, 3CCA(4)(9)/92-93 dt. 31-3-93, 3NCA(4)(6)/92-93 dt. 11-2-93, 3WCA(4)(5)/92-93 dt. 1-12-93, 3CCA(4)(5)/87-88 dt. 15-1-88, 3CCA(4)(15)/90-91 dt. 5-3-91, 3WCA(4)(11)/87-88 dt. 5-1-88, 3CCA(4)(7)/82-83 dt. 15-3-83, it is hereby notified in pursuance of Regulation 20 of the Chartered Accountants Regulation 1988 that in exercise of the powers conferred by Regulation 19 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has Restored to the Register of Members the names of the following members with effect from the dates mentioned against their names.

Sl. No.	Membership No.	Name & Address	Rest. date
1	2	3	4
1.	12316	Mr. Sujit Chandra Bandopadhyay, ACA, Zonal Manager, Zonal Office Central Bank of India, Opp. Jubba Sahni Ma Club Road, Mithunpura, Muzaffarnagar-842002.	1-10-92
2.	12362	Mr. Pavan Kumar Roongta, FCA, Executive Director, Insulators Ltd., Abu Road, Abu Road-307026.	1-10-92
3.	12433	Mr. Kailash Chandra B. Banka, FCA 60 Block, B-1/1st Floor, Maurya Lok Complex, Patna-800001.	07-06-93
4.	13167	Mr. Jay Prakash Jha, ACA, Manager (Finance), VSTPP/NTPC, Vindhyannagar, Sidhi.	14-6-93

1	2	3	4
5.	14652	Mr. Kanai Lal Ghouri, ACA, Deputy G. M. (Finance), BHEL Unit Central Foundary, Forge Plant, Ranipur, Hardwar-249403.	13-7-93
6.	16221	Mr. Asim Kumar Basu, ACA Area Finance Manager SP Mines, General Manager Office ECL, PO Chitra (Via Jamtara), Deoghar-815311.	1-10-92
7.	16649	Mr. Ganesh Kumar Rana, ACA, G. K Rana & Co. 91, Maharani Gayatri Devi Market, Jaipur.	14-6-93
8.	18558	Mr. Kuruvila Kuriakose, FCA, 7/77A Tilak Nagar, Kanpur-208002.	1-10-92
9.	31370	Mr. Kumar Khubchand Jethani, ACA, 112/351, Swaroop Nagar, Kanpur.	29-4-93
10.	34676	Mr. Ashok Kumar Meheshwari, ACA, 20, Jain Boarding Marg, Udaipur-313001.	1-10-92
11.	39360	Mr. Anil Kumar Jhanwar, ACA, AB Jhanwar & Co., C/o Saheli Palace Hotel, 222/17, Saheli Marg Udaipur.	1-10-92
12.	41790	Mr. Rajiv Murarka, ACA, C/o Rohit Textile, CK 14/18, Nandan Shah Lane, Azamatgarh Kothi Chowk VARANASI-221001.	1-10-92
13.	51159	Mr. Mandhana OP, FCA Ispat Mexicana S A DE C V FCO J Munjica Sigur 1 B, CD Lazaro Cardenas, MICH C P 60950 MEXICO, Mexico.	1-10-92
14.	52210	Mr. Ashok Kumar, ACA, Shree Niketan, Bhatta Bazar, Purnia-854301.	1-03-93
15.	52513	Mr. Prakash Chand Nahata, ACA, Prem Bhawan, Rani Bazar, Near Baba Ramdev Tent House, Bikaner-334001.	3-5-93
16.	53735	Mr. Anil Kumar Agrawal, ACA, A/33, People Cooperative Mahendra Sadan, Kankar Bagh Patna-800020.	12-5-93

1	2	3	4
17.	70373	Mr. Lalit Behari Singhal, ACA, 49/63, Nagya Ganj, Kanpur-208001.	1-10-92
18.	70506	Mr. Rajendra Mohan Jain, ACA, 5, Nagor Sadan, Ugam Path, Bani Park, Jaipur-302016.	15-6-93.
19.	70871	Mr. Samidh Mukhopadhyay, ACA, Sr. Manager (Finance), D-2/13 Telco Colony, Jamshedpur-831004.	1-10-92
20.	71475	Mr. Padam Chand Jain, FCA, 1st Floor, Somani Building, Loha Mandi S C Link Road, Jaipur.	1-10-92
21.	71674	Mr. Shekhar Kumar Agrawal, ACA, Executive Finance Advisor, PT Sulinafin, JL Arifin Kompleks, Ketapang Indah Blok-B 1 No. 23, Jakarta, Indonesia-11140.	1-10-92
22.	71725	Mr. George Ninan Abraham, FCA, Abhram & Kuruvila. 113/174, Swaroop Nagar, Kanpur-2.	1-10-92
23.	71785	Mr. Anil Dutt Malhotra, FCA, 75, Shreenath Appartments, 1st Floor Near Anand Bazar, Khajrana Road Sri Nagar, Indore.	1-10-92
24.	71813	Mr. Anand Kumar Beriwal, FCA, Anand Beriwal & Co., 435, Samta Colony, Raipur.	1-10-92
25.	72157	Mr. Arun Bhandari, ACA, 437-B, Bhandari Bhawan, 3rd D Sardarpura, Jodhpur-342001.	23-6-93
26.	72165	Mr. Rajesh Purohit, FCA, C/o Ratan Sadan, New Pali Road, Jodhpur-342001.	1-10-92
27.	72282	Mr. Sudhir Kumar Jain, FCA, D-195, Jagdish Marg, 'Agar Bhawan', Bani park, Jaipur-302016.	1-10-92

1	2	3	4	1	2	3	4
28.	72727	Mr. Ashok Kumar Agarwal, ACA, Ashok Kumar Saraf & Co. 108 Goel Hata Dharamshala Bazar Gorakhpur-273001.	1-10-92	40.	73497	Mr. Vipin Kumar Agarwal, ACA C/o Vipin Kumar Pandey & Co. Above Goel Cloth Emporium, Infront of Canara Bank, Ansari Road, Bulandshahar.	1-10-92
29.	72736	Mr. Kishan Kumar Khilnani, FCA, Khilnani & Associates A-6 Sardar Patel Marg Jaipur.	1-10-92	41.	73647	Mr. Dilip Kumar Jain, ACA, D-15 Adarsh Bast, Near B. L. House Tonk Phatak Jaipur.	1-10-92
30.	72771	Mr. Jai Prakash Bharda, ACA, 285 Tilak Nagar, Indore-452001.	1-10-92	42.	73691	Mr. Bharat Pitti, ACA, 60 Sardarpura 2nd A Road, Jaipur-342003.	1-10-92
31.	72799	Mr. Mohammad Imran, ACA, M-2/2 Amber Complex, Zone II, M. P. Nagar, Bhopal.	1-10-92	43.	74058	Mr. Sandeep Manik, ACA, 44 Kanti Nagar, Near Polovictory, Jaipur-302006.	7-4-93
32.	72803	Mr. Rakesh Kumar Gupta, ACA, A-31 Kirti Nagar, Tonk Road, Jaipur.	1-10-92	44.	74128	Mr. Sanjay Singhvi, ACA, 2-C-55 Pratap Nagar, Jodhpur-342004.	4-6-93
33.	72813	Mr. Atul Pratap Singh, ACA, 142-B Sector-C, Mahanagar, Lucknow.	6-4-93	45.	74222	Mr. Amit Jain, ACA, C/o Ramesh C. Agrawal & Co. 92 Yahiyaganj, Lalkothi Lucknow.	10-5-93
34.	73106	Mr. Ashok Kumar Goyal, ACA, Goyal Ashok & Co. 2nd Floor Dhule House Road, Bapu Nagar, Jaipur-302003.	1-10-92	46.	74244	Mr. Satya Narayan Bansal, ACA, IDBI IDBI Tower, Coffee Parade, Bombay-400005.	1-10-92
35.	73180	Mr. Shashi Gupta, ACA, 107 R. N. Tagore Marg, Indore.	1-10-92	47.	74512	Mr. Padmanbhan Mani, ACA, Asstt. Manager, TISCO Jamshedpur.	1-10-92
36.	73351	Mr. Sanjay Kumar Mittal, ACA, Gyan Kunj Sansar Chandra Road, Jaipur-302001.	22-6-93	48.	74730	Ms. Seema Mangal, ACA, 8/5 Y. N. Road, Indore.	1-6-93
37.	73375	Mr. Rajendra Prasad Gupta, ACA, C-46, J. P. Colony, Tonk Road, Jaipur.	1-10-92	49.	74758	Mr. Suresh Kumar Salecha, ACA, S. Salecha & Company, 1070 1st D Road, Sardarpura, Jodhpur.	1-10-92
38.	73429	Mr. Mukesh Kumar Jain, ACA, B-34 Shakti Nagar, (Nr. Kamal & Co.) Tonk Road, Jaipur-302018.	1-10-92	50.	82820	Mr. Parshotam Lal Saluja, FCA, Parshotam Lal Saluja & Associates 26 Patel Market, Sriganganagar-335001.	1-10-92
39.	73494	Mr. Amit Kumar, ACA, AA-3, Arita Colony, Bajaj Nagar, Jaipur-302015.	30-4-93				

1	2	3	4
51.	83611	Mr. Anil Kumar Jain, ACA Flat No. 33, Sadar Appartment, Mayur Vihar, Phase-I, Delhi-110091	1-10-92
52.	83775	Mr. Sanjay Jain, ACA 23-C, Thornhill Road, Alhahabad.	1-10-92
53.	83897	Mr. Satish Kumar, FCA C/o S. Gulati Associates, 168 Krishnanagar, Bharatpur.	11-6-93
54.	84257	Mr. Aseem Rai, ACA D M (Finance) Gas Authority of India Ltd., Dibiapur, Etawah-206244.	19-3-93
55.	85903	Mr. Parvez Ahmed Rizvi, FCA Parvez & Associates, 288, Chohatta, Shapur Gate, Meerut.	1-10-92
56.	86745	Mr. Mahesh Agrawal, ACA Shree Sadan, Jawali, Bhawan Colony, Station Road, Alwar-301001.	1-10-92
57.	88025	Mr. Mahesh Chander Agrawal, ACA 84-D, Krishna Nagar, Mathura.	1-10-92
58.	88578	Mr. Milan Shrimali, ACA C/o Shri S. C. Sharma, 49, Nehru Nagar, Roorkee-247667.	1-10-92
59.	90365	Mr. Deepak Rastogi, ACA, Raymond Synthetics Limited, Kailash Nagar, Karchana, Allahabad-212301.	1-10-92

A. K. MAJUMDAR,
Secretary

Madras-600034, the 7th September 1993

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 3SCA(4)/2/93-94—In pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by Clause (a) Sub-Section (1) of Section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the Register of Members of this Institute on account of death with effect from the dates mentioned against their names, the names of the following gentlemen :—

S. No.	M. No.	Name & Address	Date of Removal
1	2	3	4
1.	003425	Mr. Viswanathan B. 29, Ramakrishna Puram III Street, Madras-600 033.	17-5-93

1	2	3	4
2.	005341	Mr. Varadaraya Prabhu G., Chief Postmaster General, Andhra Circle, Hyderabad-500 001.	18-10-92
3.	006190	Mr. Subramanian T. V., XIV/681-A, Harinagar, Dr. Gouri Amma Lane, Punrunnam, Trichur-680 002.	6-4-93
4.	006633	Mr. Surendra Sastry M., 3-4-1011, Barkatpura, Hyderabad-500 027.	25-3-93
5.	007985	Mr. Srinivasa T.R., Shreyas, 63, 6th Main Road, Tata Silk Farm, Bangalore-560 004.	19-5-93
6.	008130	Mr. Ganesan S., No. 1, 23rd East Street, Kamaraj Nagar Thiruvanniyur, Madras-600 041.	18-11-91
7.	009820	Mr. Krishnaswamy P., 25A, Second Main Road, Postal Colony, West Mambalam, Madras-600 033.	4-5-93
8.	016768	Mr. Mathew Thomas, 5, Poorna Prasad Block, Off. Race Course Road, Bangalore-560 001.	26-6-93
9.	019370	Mr. Munikrishna Rao P., 181, 611 Gandhi Nagar, Tirupathi.	8-5-93
10.	028164	Mr. Raghavendra Maiya G.S., Sadajaya Sandeep Nagar, Ambalapady, Udupi-576 103.	5-1-93
11.	081228	Mr. Krishnaswamy Rao N.S., 1628 (Old No. 122) 8th main Road, II Block, Jaya Nagar. Bangalore-560011.	1-5-93
12.	203327	Mr. Krishnamoorthy S. 131, Balasubramaniam Street, K.K. Pudur, Coimbatore-641 038.	16-5-93

A.K. MAJUMDAR,
Secretary

The 29th September 1993

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

3SCA(5)/4/93-94—With reference to this Institute's Notification Nos. 3SCA(4)/9/91-92 dated 1st January 1992, 3SCA(4)/10/88-89 dated 27th January 1989, 3SCA(4)/3/92-93 dated 27th November 1992 and 3SCA(4)/8/90-91 dated 1st December 1990 it is hereby notified in pursuance of Regulation 20 of the Chartered Accountants Regulations, 1988 that in exercise of the powers conferred by Regulation 19 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members with effect from the dates mentioned against their names, the names of the following persons :

S. No.	MRN	Member Name & Address	Rest. date
1	22	3	4
1.	009267	Mr. Harigopal K. FCA Financial Adviser Chief Controller of Accounts, APSE Board Vidyut Soudha, Hyderabad-500 049.	28-6-93
2.	019538	Mr. Basheer Ahamed A. FCA No. 3 Bhemanra Garden Street, Abhiramapuram, Madras-600 018.	5-7-93
3.	021887	Mr. Umapathi V. FCA C-5, Skylark Apartments, Bashir Bagh, Hyderabad-500 029.	5-7-93
4.	023058	Mr. Koteswara Rao Madireddi, ACA, No. 24, Amba Gardens, Mehdipatnam, Hyderabad-500 028.	25-6-93
5.	024227	Mr. Dinakara K. ACA M.P. Compound, Ashok Nagar, Mangalore-575 006.	6-7-93
6	025785	Mr. Ramani Shiv Kumar ACA Flat No. 6, ICICI Apartments, 14, North Avenue, K.P. Puram, Madras-600 028.	13-7-93
7.	027127	Mr. Chenchu Mohan A. ACA 12 2 709/22 Novodaya Colony, Mehdipatnam, Hyderabad-500 028.	28-8-92
8.	028231	Mr. Subbaraya Kama Sastri K.V., ACA, Post Box No. 70330, Nairobi, Kenya.	16-6-93

A.K. MAJUMDAR
Secretary

The 1st October 1993

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

3SCA(8)/5/93-94—In pursuance of Clause (iii) of Regulation 10(1) of the Chartered Accountants Regulations 1988, it is hereby notified that the Certificate of Practice issued to the following members have been cancelled with effect from dates mentioned against their names, as they do not desire to hold their Certificate of Practice.

S. No.	MRN	Member Name & Address	Cant. Date
1	2	3	4
1.	018985	Mr. Kumar R. FCA Lalith Apartments Ground Floor No. 11/9 Mangesh Street, Madras-600 017.	9-8-93
2.	025531	Mr. Shiva Prasad FCA P.O. Box 9215, Dubai-UAE-O.	8-6-92
3.	026701	Mr. Venugopal K. ACA Abhilash TC 1-2354-1, Navarangam Lane, Trivandrum-695 011.	31.3-93
4.	027496	Mr. Damodara Reddy B. ACA 1-8-149 LIG 37/2 Baghlingampally, Hyderabad-500 020.	2-4-93
5.	028272	Ms. Radhika Venkataraman R. ACA 10, Manikkam Street, West Mambalam, Madras-600 033.	16-8-93
6.	029203	Mr. Mohan Chandran N. ACA 129 V. Cross, III Layout, J.R. Nagar, Phase I, Bangalore-560 078.	1-8-93
7.	201384	Mr. Akbar Mohammed, ACA 4/25/9, Kambadipet, Vijayawada-520 009.	3-8-93
8.	201932	Ms. Sudha S. ACA Plot No. 63, Union Carbide Colony, Ullagaram, Madras-600 091.	31-3-93

A.K. MAJUMDAR
Secretary

THE INSTITUTE OF COST AND WORKS ACCOUNTS OF INDIA

Calcutta-700 016, the 16th September 1993

No. 18-CWR (279)/93.—It is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India has restored to the Register of Members, the name of Shri Bijay Kumar Singhania, MCOM, LLB, ACS, AICWA, 68, K.H.B. Colony (MIG), Koramangala Layout, Bangalore-560 095 (Membership No. 4752), w.e.f. 24th June, 1993.

S. R. ACHARYYA
Secretary

No. 16-CWR (1152-1153)/93.—In pursuance of Regulation 16 of the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, it is hereby notified that in exercise of powers conferred by sub-section (1) (b) of Section 20 of the Cost and Works Accountants Act, 1959, the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India has removed from the Register of Members, the names of (1) Shri P. C. Basu, BSC, BCOM, FICWA, 6/1, Russa Road East, 2nd Lane, Calcutta-700033 (Membership No. 185) w.e.f. 18th August 1993, at his own request and (2) Shri A. R. Rao, BCOM (Hons), LLB, AICWA, Member, Central Board of Direct Taxes, Deptt. of Revenue, Ministry of Finance, North Block, New Delhi-110001 (Membership No. 1167) w.e.f. 16th September 1993, at his own request.

No. 11-CWR (138)/93.—In pursuance of sub-Regulation (3) of Regulation 11 of the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, it is hereby notified that the Certificate of Practice granted to Shri Kattera Swamy, BCOM, AICWA, 1-1-230/33/4, 1st Floor, Jyothi Bhavan, Chhikkadpally, Hyderabad-500 020. (Membership No. 10666) is cancelled from 11th July 1993 to 30th June 1994, as his own request.

S. R. ACHARYYA,
Secretary

No. 16-CWR (1154—1161)/93.—In pursuance of Regulation 16 of the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, it is hereby notified that in exercise of powers conferred by sub-section (1) (a) of Section 20 of the Cost and Works Accountants Act, 1959, the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India has removed from the Register of Members, the names of (1) Shri A.D.K. Jain, MCOM, AICWA, A-1/32, Lawrence Road, Keshar Puram, Delhi-110 035, (Membership No. 7347), w.e.f. 4th September 1992, (2) Shri D. L. Moitra, BSC, FCA, AICWA, C/o G. Sanyal & Co., Temple Chambers, 6, Old Post Office St., Calcutta-700 001. (Membership No. 259) w.e.f. 5th January 1993, (3) Shri S. K. Mitra, BSC, FCMA, FICWA, R/296-E, Greater Kailash-1, New Delhi-110 048 (Membership No. 461) w.e.f. 5th August, 1993, (4) Shri Govinda Patra, BCOM, AICWA, Hi-Tech Computers, W-204, Municipal Market Complex, Sahid Nagar, Bhubaneswar-751 007 (Membership No. 2674) w.e.f. 20th February 1992, (5) Shri V. V. Kishore, BCOM, BL, AICWA, 16-2-836/A 124/2, L.I.C. Colony, Saidabad (Membership No. 1061) w.e.f. 20th April 1991, (6) Shri K. M. Desai, AICWA, 5, Sukhadai, 116, S. V. Road, Khar, Bombay-400 052 (Membership No. 515) w.e.f. 11th March 1992, (7) Shri O. P. Singal, BA, FCS, AICWA, WZ-806A, Rishi Nagar, Shakur Basti, Delhi-110 034 (Membership No. 7389) w.e.f. 8th March 1991, (8) Shri S. M. Venugopalan, MA, BCOM, AICWA, B-1, 'Sai Kripa', 455-H, Thadagam Road, Coimbatore-641 002 (Membership No. 2457) w.e.f. 7th December, 1991, on Account of death.

S. R. ACHARYYA,
Secretary

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 28th September 1993

No. U-16/53/93-Med.II (UP).—In pursuance of the resolution passed by ESI Corporation at its meeting held on 25th April, 1951, conferring upon the Director General the powers of the Corporation under regulation 105 of the ESI (General) Regulation 1950 and such powers having been further delegated to me vide Director General's Order No. 1024(G) dated 23-5-1983, I hereby authorise Dr. S. S. Bhat-tacharjee, 3-A/116, Azad Nagar, Kanpur-208 002 (UP), Part-time Medical Referee, in Kanpur Centre, in the area to be specified by the Dy. Medical Commissioner (North Zone), at a monthly remuneration as per existing norms, to function as medical authority w.e.f. the date of his assumption of charge for one year or till a full-time Medical Referee joins, whichever is earlier, for the purpose of medical examination of the insured persons and grant of further certificates to them, when the correctness of the original certificates is in doubt.

DR. (MRS.) A. A. AMBEKAR,
Medical Commissioner

New Delhi, the 19th October 1993

No. U-16/53/85-Med.II (Orissa).—In pursuance of the resolution passed by ESI Corporation at its meeting held on 25th April, 1951, conferring upon the Director General the powers of the Corporation under regulation 105 of the ESI (General) Regulation 1950 and such powers having been further delegated to me vide Director General's Order No. 1024(G) dated 23-5-1983, I hereby authorise the Superintendent, ESI Hospital, Kansabahal to function as Medical Authority at a monthly remuneration in accordance with the norms w.e.f. the date he assumes charge for one year, or till a full-time Medical Referee joins, whichever is earlier, for Orissa Centre, for areas to be allocated by Regional Dy. Medical Commissioner (South East Zone) Orissa for the purpose of medical examination of the insured persons and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificates is in doubt.

DR. (MRS.) A. A. AMBEKAR,
Medical Commissioner

CORRIGENDUM

In the notification No. N-15/13/14/8/88-P&D dated 2-3-93 of the ESI Corporation published on p-11563 in the Gazette of India Part-III Section 4 No. 16 dated 17-4-93.

In fifth Line

FOR 1-2-93

READ 1-3-93

O. ABDUL HAMEED
Director (P&D)

New Delhi, the 4th November 1993

No. N-12/13/2/92-P&D.—The following draft amendments to the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, which the Employees' State Insurance Corporation proposes to make, in exercise of the powers conferred on it, by Section 97 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of

1948) as amended, is published as required by Sub-Section (1) of the said Section for information of all the persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft amendments will be taken into consideration after 30 days from the date of issue of this notification.

Any objections or suggestions which may be received in respect of the said draft amendments within the period so specified will be considered by the said Corporation.

Draft amendments to the ESI (General) Regulations, 1950

The following amendments shall be made in the Regulation Form-6 and Form-7 prescribed under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 :

- (i) Form-6 (Return of contribution).—The existing Form-6 shall be replaced by the enclosed new Form-6.
- (ii) Form-7 (Register of employees).—In Form-7, a new column 3-A entitled "Name of dispensary to which attached" shall be inserted between column-3 and column-4.
- (iii) The following new Regulation-109 shall be added after Regulation-108 ;
"Regulation 109—**Employer or Insured Person to submit additional information :**

The employer or insured person as the case may be, shall, on demand from the appropriate office, submit information in such form as may be specified by the Director General"

BHAGWATI PRASAD
Insurance Commissioner

FORM-6

IN QUADRUPLICATE

Employer's Code No. _____

Name of Local Office _____

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

RETURN OF CONTRIBUTIONS (Regulation-26)

Name & Address of the factory or establishment _____

Particulars of the Principal Employer :

- (a) Name :
- (b) Designation :
- (c) Residential Address

Period : From _____ to _____

I furnish below the details of the Employer's and Employees' share of contributions in respect of the undermentioned insured persons, I hereby declare that the return includes every employee, employed directly or through an immediate employer or in connection with the work of the factory/establishment or any work connection with the administration of the factory/establishment or purchase of raw materials, sale or distribution of finished products etc. to whom the contribution period to which this return relates, applies and that the contributions in respect of employer's and employee's share have been correctly paid in accordance with the provisions of the Act and Regulations relating to the payment of contributions vide challans detailed below :—

Total contribution amounting to Rs. _____ comprising of Rs. _____ as Employer's share and Rs. _____ as Employee's share (Total of column 6 of the Return) paid as under:—

- (1) Challan dated _____ for Rs. _____
- (2) Challan dated _____ for Rs. _____
- (3) Challan dated _____ for Rs. _____
- (4) Challan dated _____ for Rs. _____
- (5) Challan dated _____ for Rs. _____
- (6) Challan dated _____ for Rs. _____

Total Rs. _____

Signature _____

Designation _____

Place _____

Date _____

Important Instructions

1. Information to be given in "Remarks Column (No. 8)"

- (i) If any I.P. is appointed for the first time and/or leaves service during the contribution period, indicate "A _____ (date)" and/or "L _____ (date)" in the remarks column (No. 8).
- (ii) Please indicate the name of dispensary to which insured person is attached (to be furnished only once).
- (iii) Please indicate name of dispensary to which insured person is attached in case of new entrants.

- (iv) In case there is change in the name of dispensary, please indicate the name of new dispensary in the remarks column.
2. Please indicate Insurance Number in Chronological (ascending) order.
3. Figures in Column 4, 5 & 6 shall be in respect of wage periods ended during the contribution period.
4. Invariably strike totals of Column 4, 5 & 6 of the Return.
5. No over-writing shall be made. Any corrections should be signed by the employer.
6. Every page of this return should bear full signature and rubber stamp of the employer.
7. 'Daily Wages' in col. 7 of the return shall be calculated by dividing figures in Col. 5 by figures in Col. 4 to two decimal places.

Sr. No.	Insurance Number	Name of Insured Person	No. of days for which wages paid
1	2	3	4

Total amount of wages paid	Employees' contribution deducted	Daily wages	Whether still continues	R
		5		E
		0	working	M
		÷	and	A
		4	drawing	R
		4	wages within the insurable wage ceiling	K
				S
5	6	7	7A	8

REGIONAL OFFICE

Chandigarh, the 9th September 1993

No. 14.V.34/13/1/86/Adm.—In exercise of the powers under Regulation 10-A, of the ESI (General) Regulation, 1950, the Chairman, Regional Board, Himachal Pradesh has constituted the Local Committee consisting of the following members for the Paonta Sahib and Kala Amb areas (Where Chapter IV and V of the E.S.I. Act, 1948 are already in force) w.e.f. the date of Notification.

CHAIRMAN

Under Regulation 10-A(1) (a).

1. Sub Divisional Magistrate (Civil)
Paonta Sahib, Distt. Sirmour (HP).

MEMBERS

Under Regulation 10-A(1) (b).

2. Labour Inspector, Paonta Sahib.

Under Regulation 10-A(1) (c).

3. Medical Officer Incharge, E.S.I. Dispensary,
Paonta Sahib/Kala Amb.

Under Regulation 10-A(1) (d).

4. Shri K. C. Azad, Vice Chairman, M/s Malwa Cotton Spinning Mills, Patlian Tehsil, Paonta Sahib, Distt. Sirmour (H.P.).
5. Shri Vijay Gandhi, Manager, Satya Shri Cement Udyog, Pvt. Ltd., Village Bungrani, Tehsil Paonta Sahib, Distt. Sirmour (H.P.).
6. Shri B. C. Vashisht, Director, Steel Factory, Kala Amb, Distt. Sirmour (H.P.).

Under Regulation 10-A(1) (e).

7. Shri Roshan Lal, General Secretary, Satya Shri Cement Employees Union, Village Bungrani, P.O. and Tehsil Paonta Sahib, Distt. Sirmour (H.P.).
8. Shri B. K. Sharma, General Secretary, Cement Corporation, Employees Union, P.O. Rajban, Tehsil Paonta Sahib, Distt. Sirmour (H.P.).
9. Shri Gurmail Singh, Durga Steel Workers Union, Kala Amb.

MEMBER-SECRETARY

Under Regulation 10-A(1) (f).

10. Local Office Manager, E.S.I. Corporation, Paonta Sahib (H.P.).

By Order

S. S. ABROL,
Regional Director

No. 14.V.34/13/1/86/Adm.—In exercise of the powers under Regulation 10-A, of the ESI (General) Regulation, 1950, the Chairman, Regional Board, Himachal Pradesh has re-constituted the Local Committee consisting of the following members for the Parwanoo and Solan areas (Where Chapter IV and V of the E.S.I. Act, 1948 are already in force) w.e.f. the date of Notification.

CHAIRMAN

Under Regulation 10-A(1) (a).

1. Assistant Commissioner,
Parwanoo, District Solan (H.P.).

MEMBERS

Under Regulation 10-A(1) (b).

2. Labour Inspector,
Parwanoo, Himachal Pradesh.

Under Regulation 10-A(1) (c).

3. Medical Officer Incharge, E.S.I. Dispensary,
Parwanoo/Solan.

Under Regulation 10-A(1) (d).

4. Shri Rajan Jain, Managing Director, M/s. A. B. Tools Ltd., Plot No. 7-8, Sec.-3, Parwanoo, Distt. Solan (H.P.).
5. Shri Ravi Chawla, Royal Biscuit Ltd., Sec.-1, Parwanoo, Distt. Solan (H.P.).
6. Shri Mohinder Nahta, Himachal Putristic Ltd., Chamba Ghat, Distt. Solan.

Under Regulation 10-A(1) (e).

7. Shri S. N. Amar, M/s Shivalik Agro Poly Production Mazdoor Sangh, Parwanoo, Distt. Solan.
8. Shri Kundan Lal Sharma, H.P.M.C. Juice Factory, Parwanoo, Distt. Solan (H.P.).
9. Master Ram Sawroop, President, INTUC, Distt. Solan, M/s Myur Complex, Distt. Solan (H.P.).

MEMBER-SECRETARY

Under Regulation 10-A(1) (f).

10. Local Office Manager, E.S.I. Corporation, Parwanoo.

By Order

S. S. ABROL.
Regional Director

No. 14.V.34/13/1/86/Adm.—In exercise of the powers under Regulation 10-A, of the ESI (General) Regulation, 1950, the Chairman, Regional Board, Himachal Pradesh has re-constituted the Local Committee consisting of the following members for the Barotiwala and Baddi areas (Where Chapter IV and V of the E.S.I. Act, 1948 are already in force) w.e.f. the date of Notification.

CHAIRMAN

Under Regulation 10-A(1) (a).

1. Sub Divisional Magistrate (Civil) Nalagarh, Distt. Solan.

MEMBERS

Under Regulation 10-A(1) (b).

2. Labour Inspector, Nalagarh, District Solan (H.P.).

Under Regulation 10-A(1) (c).

3. Medical Officer Incharge, E.S.I. Dispensary, Barotiwala/Baddi Areas.

Under Regulation 10-A(1) (d).

4. Shri R. D. Chatrahyia, Works Manager, M/s Chandra Laxmi Tempered Glass Company, Pvt. Ltd., Village Batedh, P.O. Barotiwala Distt. Solan (H.P.).

5. Shri R. K. Garg, Govind Pharma, Pvt. Ltd., Baddi, Distt. Solan (H.P.).

Under Regulation 10-A(1) (e).

6. Shri Rameshwar Singh, President, Textile Mills Workers Union, Nalagarh, Dt. Solan (H.P.).
7. Shri Yashwant Singh, Winson Textile Mills, Baddi Tehsil, Nalagarh, Dt. Solan (H.P.).

MEMBER-SECRETARY

Under Regulation 10-A(1) (f).

8. Local Office Manager, E.S.I. Corporation, Barotiwala.

By Order

S. S. ABROL
Regional Director

No. 14.V.34/13/1/86/Adm.—In exercise of the powers under Regulation 10-A, of the ESI (General) Regulation, 1950, the Chairman, Regional Board, Himachal Pradesh has constituted the Local Committee consisting of the following members for the Mehatpur area (Where Chapter IV and V of the E.S.I. Act, 1948 are already in force) w.e.f. the date of Notification.

CHAIRMAN

Under Regulation 10-A(1) (a).

1. Sub Divisional Magistrate (Civil) District Una (H.P.).

MEMBERS

Under Regulation 10-A(1) (b).

2. Labour Inspector, Una, District Una (H.P.).

Under Regulation 10-A(1) (c).

3. Medical Officer Incharge, E.S.I. Dispensary, Mehatpur, District Una (H.P.).

Under Regulation 10-A(1) (d).

4. Shri H. C. Jain, Manager, M/s Salecha Cables, Pvt. Ltd., 22, Industrial Area, Mehatpur, District Una (H.P.).

Under Regulation 10-A(1) (e).

5. Shri Ashok Kumar, General Secretary, Country Liquor, Workers Union, V&PO., Chattra, District Una (H.P.).
6. Shri Ramesh Rattan, General Secretary, H. P. Committee AITUC, Village Bas Dehra (Mehatpur) Dt. Una (H.P.).

MEMBER-SECRETARY

Under Regulation 10-A(1) (f).

7. Local Office Manager, E.S.I. Corporation, Hoshiarpur.

By Order

S. S. ABROL
Regional Director

MINISTRY OF LABOUR

OFFICE OF THE CENTRAL PROVIDENT FUND

COMMISSIONER

New Delhi-110 001, the 14th October 1993

No. 2/1959/DLI/Excm/89/Pt. I/2941.—WHEREAS Popular Shipping Agency, 2, Church Lane, Calcutta-700001, (WB/14153) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act :—

AND WHEREAS, I, B.N. SOM, CENTRAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act, and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour notification No. 2/1959/DLI/Exm/89-Pt. I., dated 22-3-90 and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B.N. SOM, hereby exempt the above said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period with effect from 1-3-92 to 28-2-95 upto and inclusive of the 28-2-95.

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of Premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims completes in all respects.

B. N. SOM,

Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exem/89/Pt. 1/2949.—WHEREAS M/s. Wallace Pharmaceuticals Ltd. Rua-de-Ourem, Panaji-Goa-403001, Code No. Goa/9843, have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act :—

AND WHEREAS, I, B.N. SOM, CENTRAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act, and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour notification No. 2/1959/DLI/Exm/89-Pt. I., dated 24-9-90 and subject to the condition specified in Schedule-II annexed hereto, I, B.N. SOM, hereby exempt the above said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period with effect from 1-3-90 to 31-8-92 upto and inclusive of the 31-8-92.

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct clause (a) sub-section (2A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary Premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM,
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/EDLI/Exemp/89/Pt. 1/2457.~ WHEREAS M/s. Cosme Maties Meuczes Ltd., Rua-de-Ourem, Panjim-Goa, Code No. Goa/9701, alongwith its branches have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act) :

AND WHEREAS, I, B.N. SOM, CENTRAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any

separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the condition specified in Schedule I annexed hereto, I, B.N. SOM, hereby exempt the above said establishment with retrospective effect from which date relaxation order under para 28(7) of the said scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Goa from the operation of the said scheme for and upto a period of 3 years from 1-10-89 to 30-9-92.

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under Clause (a) Sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the Provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, his approval, gives a reasonable opportunity to the employees to explain point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

B. N. SOM,
Central Provident Fund Commissioner.

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I/2965.—WHEREAS M/s. Bharat Heavy Electrical Ltd., Kallasopuram Trichy-620 014 (TN/5249) have applied for exemption under sub-Section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act :—

AND WHEREAS, I, B.N. SOM, CENTRAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act, and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour notification No. S-35014/208/83 PF II CSS-II dated 30-6-88 and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto I, B.N. SOM, hereby exempt the above said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period with effect from 24-12-89 to 23-12-92 upto and inclusive of the 23-12-92.

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct clause (a) of sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said schemes.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM,
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/EDLI/Exemp/89/Pt./2973.—WHEREAS M/s. Chhindwara Seoni Kshetriya Gramin Bank, Chhindwara (Madhya Pradesh) (MP/5253) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act) :—

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, CENTRAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER is satisfied that the employees of the said establishment is, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme) :

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-I annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt the above said establishment with retrospective effect from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner Jabalpur from the operation of the said Scheme for and upto a period of 3 years from 1-8-88 to 31-7-91.

SCHEDULE II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of Premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM,
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/EDLI/Exemp/89/Pt. 1/2981.—WHEREAS M/s. Associated Cement Co. Ltd., Katni, Refractory Work P.O. Katni (E. 483504) MP/16 have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act :—

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, CENTRAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme) :

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour notification No. S-35014(417)82/P.F.-II dated 1-5-86 and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt the above said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period with effect from 27-11-88 to 26-11-91 upto and inclusive of the 26-11-91.

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominees(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme, of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heirs(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heirs(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM,

Central Provident Fund Commissioner

UNIT TRUST OF INDIA

Bombay, the 1st October 1993

UT/DBDM/SPD 3/93-94.—The Amendments to the provisions of the following schemes which provide for listing (whether already listed or to be listed in future)

1. Mutual Fund (Subsidiary) Unit Scheme 1986 (Mastershare)
2. Unit Growth Scheme 2000 (UGS 2000)
3. Unit Growth Scheme 5000 (UGS 5000)
4. Mastershare Plus Unit Scheme 1991 (Masterplus 1991)
5. Capital Growth Unit Scheme 1992 (Mastergain 1992)
6. Unit Scheme 1992 (US 1992) *
7. Master Equity Plan 1993 (MEP 1993) *
8. Mastergrowth Unit Scheme 1993 *

formulated under Section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 and the Master Equity Plan formulated under Section 19(1) (8)(c) of the Unit Trust of India Act, 1963 and the Master Equity Scheme made under Section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 approved by the Executive Committee in the Meeting held on 9th August, 1993 are published herebelow.

ANNEXURE

Amendments to the provisions of the Schemes which provide for listing

- (1) Mutual Fund (Subsidiary) Unit Scheme 1986 (Mastershares)

The following is added as a new paragraph in Clause III(A) (b) on "Sale of Units"—"Notwithstanding anything contained in the above paragraph or in any other clause, in the event of transfer of Units under the Scheme either through the Stock Exchange/s where the scheme is listed or otherwise, the facility to hold units on Either or Survivor basis shall not be available to the Transferee(s) under the Scheme and any request for such a facility by the said Transferees shall not be entertained by the Trust under any circumstances".

- (2) Unit Growth Scheme 2000 (UGS 2000)

The following is added as a new paragraph in Clause IV (1) on Application for Units—"Notwithstanding anything to the contrary, in the event of transfer of units under the Scheme either through the Stock Exchange/s where the scheme is listed or otherwise, the facility to hold units or Anyone or Survivor basis shall not be available to the transferee(s) under the Scheme and any request for such a facility by the said Transferees shall not be entertained by the Trust under any circumstances."

* To be applicable from the date of listing/date from which transfer is allowed.

(3) *Unit Growth Scheme 5000 (UGS 5000)*

The following is added as a new paragraph in clause IV(1) on "Application for Units"—"Notwithstanding anything contained in Clause IV(1) or in any other Clause, in the event of transfer of units under the Scheme either through the Stock Exchange/s where the scheme is listed or otherwise, the facility to hold units on Either or Survivor basis shall not be available to the Transferee(s) under the Scheme and any request for such a facility by the said Transferees shall not be entertained by the Trust under any circumstances."

(4) *Mastershare Plus Unit Scheme 1991 (Masterplus 1991)*

The following is added as a new paragraph in Clause IV(b) on "Sale of Units"—"Notwithstanding anything contained in the above paragraph or in any other clause, in the event of transfer of units under the Scheme either through the Stock Exchange/s where the Scheme is listed or otherwise the facility to hold units on Either or Survivor basis shall not be available to the Transferee(s) under the Scheme and any request for such a facility by the said Transferees shall not be entertained by the Trust under any circumstances."

(5) *Capital Growth Unit Scheme 1992 (Mastergain 1992)*

The following is added as a new paragraph in Clause 5 (1) (i) on "Application for Units"—"Notwithstanding anything contained in any clause, in the event of transfer of units under the Scheme either through the Stock Exchange/s where the scheme is listed or otherwise, the facility to hold units on Either or Survivor basis shall not be available to the Transferee(s) under the Scheme and any request for such a facility by the said Transferees shall not be entertained by the Trust under any circumstances."

(6) *Unit Scheme 1992 (US 1992)*

The following is added as a new paragraph in Clause IV(1) on "Application for Units"—"Notwith-

standing anything contained in the above paragraph or in any other clause, in the event of transfer of units under the Scheme either through the Stock Exchange/s where the scheme is listed or otherwise, the facility to hold units on Either or Survivor basis shall not be available to the Transferee(s) under the Scheme and any request for such a facility by the said Transferees shall not be entertained by the Trust under any circumstances."

(7) *Master Equity Plan 1993 (MEP 1993)*

The following is added as a new paragraph in Clause IV(a) on "Application for Units" in the provisions of the Scheme and Clause 1 (c) on "Eligibility for Participation"—"Notwithstanding anything contained in the above paragraph or in any other clause, in the event of transfer of units under the Scheme (or Plan as the case may be) either through the Stock Exchange/s where the scheme (or Plan as the case may be) is listed or otherwise, the facility to hold units on Anyone or Survivor basis shall not be available to the Transferee(s) under the scheme (or Plan as the case may be) and any request for such a facility by the said Transferees shall not be entertained by the Trust under any circumstances."

(8) *Mastergrowth Unit Scheme 1993*

The following is added as a new paragraph in Clause 5(1)(i) on "Application for units"—"Notwithstanding anything contained in the above paragraph, in Clause V(a) on "Sale of Units", or in any other clause, in the event of transfer of units under the Scheme either through the Stock Exchange/s where the scheme is listed or otherwise, the facility to hold units on Either or Survivor basis shall not be available to the Transferee(s) under the Scheme and any request for such a facility by the said Transferees shall not be entertained by the Trust under any circumstances."

The amendments shall come into force w.e.f. 1st September, 1993.

